नहेमायाह

नहेमायाह क बिनती

1 इ सबइ हकल्याह क पूत नहेमायाह क बचन अहइँ:
मइँ, नहेमायाह, किसलवे नाउँ क महीने मँ सूसन नाउँ
क राजधानी नगरी मँ रहेउँ। इ उ समई रहा जब अर्तछत्र
नाउँ क राजा क राज क बीसवाँ बरिस चलत रहा। 2मइँ
जब अबहिं सूसन मँ रहेउँ तउ हनानी नाउँ क मोर एक भाई
अउर कछू दूसर लोग यहूदा स हुवाँ आएन। मइँ ओनसे
हुवाँ रह रहे यहूदियन क बारे मँ पूछेउँ। इ सबइ उ सब
लोग रहेन जउन बन्धुआई स बच निकरे रहेन अउर अबहिं
तलक यहूदा मँ रहत रहेन। मइँ ओनसे यरूसलेम नगरी क
बारे मँ भी पूछे रहेउँ।

3हनानी अउ ओकरे संग क लोग बताएन, "हे नहेमायाह,
उ सबइ यहूदी जउन बंधुआई स बच निकरे रहेन अउर
जउन यहूदा मँ रहत अहइँ, गहन बिपत्ति मँ पड़ा अहइँ। ओन
लोगन क समन्वा बहोत स समस्या अहइँ अउर उ पचे बड़े
लज्जित होत अहइँ। काहेकि यरूसलेम क नगर परकोटा
ढह गवा अहइ अउर ओकर प्रवेस दुआर आगी स जरिके
राखी होइ गए अहइँ।"

4मइँ जब यरूसलेम क लोगन अउर नगर परकोटन क
बारे मँ उ सबइ बातन सुनेउँ तउ मइँ बहोत बियाकुल होइ
उठेउँ। मइँ बइठ गएउँ अउर रोइ उठेउँ। मइँ बहुत दिना
तलक विलाप करत रहउँ। बहोत दिना तलक मइँ सरग क
परमेस्सर स पराथना करत भए उपवास करत रहेउँ। 5एकरे
पाछे मइँ इ पराथना किहेउँ:

"हे यहोवा, हे सरग क परमेस्सर, तू महान अहा
अउर तू सक्तीसाली परमेस्सर अहा जउन ओन लोगन
क संग अपने पिरेम क वाचा क पालन करत ह
जउन तोहसे पिरेम करत हीं अउर तोहरे आदेसन पइ
चलत ही।

6"आपन आँखिन अउ अपने कान खोला। कृपा कइके
तोहरे समन्वा तोहार सेवक राति दिन जउन पराथना
करत रहत ह, ओह पइ कान द्या। मइँ तोहार सेवक,
इस्राएल क लोगन क बरे बिनती करत हउँ। मइँ ओन
पापन क स्वीकार करत हउँ जेनका हम इस्राएल क
लोग तोहरे खिलाफ किहन ह। अउर मइँ इ भी स्वीकार
करत हउँ कि मइँ तोहरे खिलाफ पाप किहेउँ ह, अउर
इ भी कि मोरे बाप क परिवार क दूसरे लोग तोहरे
खिलाफ पाप किहेन ह। 7हम इस्राएल क लोग तोहरे
बरे बहोत बुरे रहेन ह। हम तोहरे ओन आदेसन अउ
नेमन क पालन नाहीं किहे अही जेनका तू अपने सेवक
मूसा क दिहे रह्या।

8"तू अपने सेवक मूसा क जउन सिच्छा दिहे रह्या,
कृपा कइके ओका याद करा। तू ओहसे कहे रह्या,
"जदि इस्राएल क लोग आपन बिस्सास नाहीं बनाए
रख्या तउ मइँ तोहका तितर-बितर कइके दूसर देसन
मँ फइलाइ देब। 9मुला जदि इस्राएल क लोग मोरी
कइँती लउटइँ अउर मोरे आदेसन पइ चलइँ, तउ मइँ
अइसा करब: मइँ तोहरे ओन लोगन क, जेनका अपने
घरन क छोड़इ बरे अउर धरती क दूसरे छोरन तलक
निर्वासिन होइ बरे मज़बूर कीन्ह ग रहेन बटोरब अउर
ओन जगह स उ जगह पइ वापस लइ आउब
मइँ जउने जगह क आपन नाउँ स्थापित करइ बरे
चुनेउँ ह।"

10"इस्राएल क लोग तोहार सेवक अहइँ अउर उ पचे
तोहरे ही लोग अहइँ। तू अपनी महासक्ती दुआरा ओन
लोगन क बचाएस ह अउर ओका सुरच्छित जगह पइ
लइ आवा ह। 11एह बरे हे यहोवा, कृपा कइके अब
मोर बिनती सुना। मइँ तोहार सेवक अहउँ अउर कृपा
कइके अपने सेवकन क बिनती पइ कान द्या जउन
तोहरे नाउँ क मान देइ चाहत ही। जब मइँ राजा स
सहारा माँगब तब तू मोर सहायता करा। मोका सफल
बनावा। मोका सहायता द्या ताकि मइँ राजा क बरे
प्रसन्नतादायक बना रहउँ। तब मइँ राजा क दाखरस
सेवक रहा।"

राजा अर्तछत्र क नहेमायाह क यरूसलेम पठउब

2 राजा अर्तछत्र क बीसवें बरिस क नीसान नाउँ क महीने
मँ, रात्री-भोज क समइ मँ दाखरस राजा क परोसइ बरे
रखा भवा रहा। मइँ उ दाखरस क लिहेस अउर राजा क
दइ दिहेस। मइँ जब पहिले राजा क संग रहा तउ मइँ कभी
भी दु:खी नाही भवा रहा किन्तु अब मइँ उदास रहेउँ। 2एह
पइ राजा मोहसे पूछेस, "का तू बीमार अहा? तू उदास काहे
देखाई देत अहा? मोर विचार अहइ तोहार मन दुख स भरा
अहइ।"

एहसे मइँ बहोत जियादा डर गएउँ। 3मुला जदपि मइँ डर
गवा रहेउँ किन्तु फुन भी मइँ राजा स कहेउँ, "राजा जिअत
रहइँ। मइँ एह बरे उदास हउँ कि उ नगर जेहमाँ मोर पुरखन
दफनाए गए रहेन उजाड़ पड़ा ह अउ उ नगर क प्रवेस
दुआर आगी स भसम होइ गएन ह।"

4फुन राजा मोहसे कहेस, "एकरे बरे तू मोहसे का
करवावइ चाहत ह?"

एहसे पहिले कि मइँ जवाब देतेउँ, मइँ सरग क परमेस्सर
स बिनती किहेउँ। 5फुन मइँ राजा क जवाब देत भए कहेउँ,

"जदि इ राजा क भावइ अउर जदि मइँ राजा क बरे सच्चा
रहउँ तउ यहूदा क नगर यरूसलेम मँ मोका पठइ दीन्ह जाइ
जहाँ पुरखन दफनाए भए अहइँ। मइँ हुवाँ जाइके उ नगर क
फुन स बसावइ चाहत हउँ।"
6रानी राजा क बराबर बइठी भइ रही, तउ राजा अउर
रानी मोहसे पूछेस, "तोहार इ जात्रा मँ केतने दिन लगिही?
हिआँ तू कब तलक लउट अउब्या?"
राजा मोका पठवइ बरे रानी होइ गवा। तउ मइँ ओका
एक निहचित समइ दइ दिहेउँ। 7मइँ इ राजा स इ भी कहेउँ,
"जदि राजा क मोरे बरे कछू करइ मँ खुसी होइ तउ मोका
इ माँगइ क अनुमति दीन्ह जाइ। कृपा कइके परात नदी क
पच्छिम छेत्र क राज्जपालन क देखावइ क बरे कछू पत्र
दीन्ह जाइँ। इ सबइ पत्र मोका एह बरे चाही ताकि उ पचे
राज्जपाल यहूदा जात भए मोका अपने-अपने इलाकन स
सुरच्छापूर्वक निकरइ देइँ। 8मोका दुआरन, देवारन, मन्दिरन
क चारिहुँ कइँती क प्राचीरन अउ अपने घरे क बरे काठे
क भी जरूरत अहइ। एह बरे मोका आप स आसाप क
नाउँ भी एक पत्र चाही। आसाप आपके जंगलात क हाकिम
अहइ।"
तउ राजा मोका पत्र अउर उ हर चीज दइ दिहस जउन
मइँ माँगे रहेउँ। काहेकि परमेस्सर मोरे बरे दयालु रहा एह
बरे राजा इ सब कइ दिहे रहा।
9इ तरह मइँ परात नदी क पच्छिमी पहँटा क राज्जपालन
क लगे गएउँ अउर ओनका राजा क जरिये दीन्ह गए पत्र
देखाएउँ। राजा फउज क अधिकारी अउ घुड़सवार फउजी
मोरे संग कइ दीन्ह रहेन। 10सम्बल्लत अउर तोबियाह नाउँ
क दुइ मनइयन मोरे कामन क बारे मँ सुनेन। उ पचे इ
सुनिके बहोत बेचैन अउर किरोधित भएन कि कउनो इस्राएल
क लोगन क मदद बरे आवा ह। सम्बल्लत होरोन क
निवासी रहा अउर तोबियाह अम्मोनी क अधिकारी रहा।

नहेमायाह क जरिये यरूसलेम क देवार क निरीच्छण

11मइँ यरूसलेम पहोंचेउँ अउर हुवाँ तीन दिन तलक
ठहरेउँ 12अउर कछू लोगन क संग लइके मइँ राति मँ
बाहेर निकरि पड़ेउँ। परमेस्सर यरूसलेम क बरे करइ क
जउन बात मोरे मने मँ बसाइ दिहे रहा ओकरे बारे मँ मइँ
कउनो क कछू भी नाहीं बताए रहेउँ। उ घोड़ा क सिवा,
जेह पइ मइँ सवार रहेउँ, मोरे संग अउर कउनो घोड़न नाहीं
रहेन। 13अबहि जब अँधेरा ही रहा तउ मइँ तराई दुआर स
होइके गुजरेउँ। अजगर क कुएँ क तरफ़ मइँ आपन घोड़ा
मोड़ दिहेउँ अउर मइँ उ दुआर पइ भी घोड़े क लइ गएउँ,
जउन कूड़ा फाटक कइँती खुलत रहा। मइँ यरूसलेम क उ
देवार क निरीच्छण करत रहेउँ जउन टूटिके ढह चुका रहा
अउर ओकर फाटकन जउन कि आगि दुआरा तबाह कीन्ह
गए रहेन। 14एकरे पाछे मइँ सोते क फाटक कइँती अपने
घोड़े क लइ गएउँ अउर फुन राजसरोवर क लगे जाइ
निकरेउँ। किन्तु जब मइँ निअरे पहोंचेउँ तउ मइँ लखेउँ कि
हुवाँ मोरे घोड़े क निकरइ बरे काफी जगह नाहीं अहइ।
15एह बरे अँधियारा मँ ही मइँ देवार क निरीच्छण करत भए
घाटी कइँती ऊपर निकरि गवा अउर आखीर मँ मइँ लउट
पड़ा अउर तराई क फाटक स होत भवा भीतर आइ गवा।
16ओन अधिकारियन अउर इस्राएल क महत्वपूर्ण लोगन क
इ पता नाहीं चला कि मइँ कहाँ गवा रहेउँ। उ पचे इ नाहीं
जान पाएन कि मइँ का करत रहेउँ। मइँ यहूदी लोग,
याजकन, राजा क परिवार, अधिकारियन अउर ओन लोगन
क जउन हुवाँ काम करब रहा, अबहि कछू भी नाहीं बताए
रहा।
17एकरे पाछे मइँ ओन सबहिं लोगन स कहेउँ, "हिआँ
हम जउने विपत्तियन मँ पड़े अहइँ, तू ओनका लखि सकत
ह। यरूसलेम खण्डहरन क ढेर बना भवा ह अउर एकर
दुआर आगी स जरि चुके अहइँ। आवा, हम यरूसलेम क
देवार क फुन स निर्माण करी। एहसे हम क भविस्स मँ फुन
कबहुँ लज्जित नाहीं रहइ पड़ी।"
18मइँ ओन लोगन क इ भी कहेउँ कि मोह पइ
परमेस्सर क कृपा अहइ। राजा मोहसे जउन कछू कहे रहा,
ओका मइँ उ सबइ बातन बताएउँ। एह पइ ओन लोग
जवाब देत भए कहेन, "आवा, अब हम काम करब सुरू
करी।" तउ उ पचे उत्तिम कार्य क करब सुरू कइ दिहन।
19मुला होरोन क सम्बल्लत अम्मोनी क अधिकारी तोबियाह
अउर अरब क गेसेम जब इ सुनेन कि फुन स निर्माण करत
अहइँ तउ उ पचे बहोत भद्दे ढंग स हमार मजाक उड़ाएन
अउर हमार अपमान किहन। उ पचे बोलेन, "इ तू का करत
अहा? का तू राजा क विरोध मँ होत रहे अहा?"
20मुला मइँ तउ ओन लोगन स बस एतना ही कहेउँ,
"हम क सफल होइ मँ सरग क परमेस्सर हमार मदद करी।
हम परमेस्सर क सेवक अही अउर हम इ नगर क फुन स
निर्माण करब। इ काम मँ तू हमार मदद नाहीं कइ सकत्या।
हिआँ यरूसलेम मँ तोहार कउनो भी पुरखा पहिले कबहुँ भी
नाहीं रहा। इ धरती क कउनो भी भाग तोहार नाहीं अहइ।
इ जगह मँ बने रहइ क तोहका कउनो अधिकार नाहीं
अहइ।"

परकोटा बनावइ वाले

3 हुवाँ क महायाजक क नाउँ रहा एल्यासीब। एल्यासीब
अउ ओकर याजक भाईयन निर्माण क काम करइ बरे
गएन अउर उ पचे भेड़ दुआर क निर्माण किहन। उ पचे
दुआर क यहोवा क समर्पित किहेस। उ पचे दुआर क
दरवाजन क देवारे मँ लगाएन। ओन याजकन यरूसलेम क
देवार पइ काम करत भए हम्मेआ क गुम्बद अउ हननेल
क गुम्बद तलक ओकर निर्माण किहन। उ पचे आपन काम
क यहोवा बरे समर्पित किहेन।
2याजकन क जरिये बनाए गए परकोटन स आगे क
देवार क यरीहो क लोगन बनाएन अउर फुन यरीहो क
लोगन क जरिये बनाए गए परकोटन क आगे क देवार क
निर्माण इम्री क पूत जक्कूर किहस।
3तउ हस्सना क पूतन मछरी दरवाजे क निर्माण किहन।
उ पचे एकर सहतीर रखेन अउर एकर दरवाजे, चिठकनियन
अउर छड़न लगाएन।
4उरियाह क पूत मरेमोत देवार क अगवा क हींसा क
मरम्मत किहस। उरियाह हक्कोस क पूत रहा।

बरेक्याह क पूत मसूल्लाम देवार क ओहसे आगे क
हींसा क मरम्मत किहस। बरेक्याह मसेजबेल क पूत रहा।

बाना क पूत सादोक एहसे आगे क देवार क मरम्मत
किहस।

5देवार क आगे क हीसा तकोई लोगन क जरिये सुदृढ़
कीन्ह गवा किन्तु तकोई क मुखिया लोगन अपने सुआमी
नहेमायाह क देखरेख मँ काम करइ स मना कइ दिहस।

6पासेह क पूत योयादा, अउर बसोदायाह क पूत मसुल्लाम
पुराने दरवाजे क मरम्मत किहस। उ पचे सहतीरन क
बइठाएन। उ पचे कब्जन पइ जोड़ियन चढ़ाएन अउर फुन
दरवाजे पइ तालन लगाएन अउर चिठकनियन जड़ेन।

7गीबोन स मलत्याह, मेरनोत स यादोन, गिबोनी लोगन,
अउर मिस्पा मँ रहइवालन लोगन एकरे आगे क देवार क
मरम्मत किहेन। इ सबइ लोग इफ्रात नदी क पच्छिमी पहँटा
छेत्र क राज्जपालन दुआरा सासन कीन्ह जात रहा।

8देवार क अगले हीसा क मरम्मत हर्हयाह क पूत
उजीएल किहस। हर्हयाह क पूत उजीएल एक सोनार रहा।
एहसे आगे क देवार क मरम्मत हनन्याह सुगन्ध बनावइवालन
किहेन। एन लोग यरूसलेम क देवार क चउड़ी देवार तलक
मरम्मत कइके ओकर बनाएस।

9एहसे आगे क देवार क मरम्मत हूर क पूत रपायाह
किहस। रपायाह आधे यरूसलेम क प्रसासक रहा।

10देवार क दूसर हीसा हरूपम क पूत यदायाह बनाएस।
यदायाह अपने घर क ठीक पाछे क देवार क मरम्मत
किहस। एकरे पाछे क हींसे क मरम्मत क काम हसब्नयाह
क पूत हत्तूस किहस। 11हारीम क पूत मल्कियाह अउर
पहत्मोआब क पूत हस्सूब देवार क अगले एक दूसरे हीसे
क मरम्मत किहस। एन ही लोग भट्टन क मीनारन क
मरम्मत भी किहन। 12सल्लूम जउन हल्लोहेस क पूत रहा,
उ देवार क अगले हीसे क बनाएस। इ काम मँ ओकर
बिटियन भी ओकर मदद किहन। सल्लूम यरूसलेम क दूसर
आधे हीसे क राज्जपाल रहा।

13हानून नाउँ क एक मनई अउर जानोह नगर क
निवासियन तराई फाटक क मरम्मत किहन। ओन ही लोग
तराई फाटक क निर्माण किहन। उ पचे कब्जन पइ जोड़ियन
चढ़ाएन अउर फुन दरवाजन पइ तालन लगाएन अउर मेखन
जड़ेन। उ पचे पाँच सौ गज लम्बी देवार क मरम्मत किहन।
उ पचे कुरड़ी दरवाजन तलक इ देवार क निर्माण किहन।

14रेकाब क पूत मल्कियाह कुरड़ी दरवाजे क मरम्मत
किहस। मल्कियाह बेथक्केरेम जिले क हाकिम रहा। उ
दरवाजन क मरम्मत किहस, कब्जन पइ जोड़ियन चढ़ाएन
अउर फुन दरवाजन पइ तालन लगवाइके मेखन जड़ेन।

15कोल्होजे क पूत सल्लूम स्रोत दुआर क मरम्मत
किहस। सल्लूम मिस्पा कस्बे क राज्जपाल रहा उ उ
दरवाजन क लगवाएस अउर ओकरे ऊपर एक ठु छत
डरवाएस। कब्जन पइ जोड़ियन चढ़ाएस अउर फुन दरवाजन
पइ तालन लगवाइके मेखन जड़ेस। सल्लूम सेलह क तलाव
क देवार क मरम्मत भी करवाएस। इ तलाब राजा क
बगीचे क लगे ही रहा। दाऊद क नगरी क उतरइवाली
सीढ़ियन तलक समूची देवार क भी उ मरम्मत करवाएस।

16अजबूक क पूत नहेमायाह अगले हीसे क मरम्मत
करवाएस। इ नहेमायाह बेतसूर नाउँ क जिले क आधे हीसे
क राज्जपाल रहा। उ जगह तलक भी मरम्मत करवाएस
जउन दाऊद क कब्रिस्तान क समन्वा पडत रहा। आदमियन
क बनाए भए तलाव तलक, अउर बीरन क निवास नाउँ क
जगह तलक भी उ मरम्मत क इ कार्य करवाएस।

17लेवीबंसी परिवार समूह क लोग देवार क अगले हीसे
क मरम्मत किहस। लेवीबंस क एन लोग बानी क पूत रहूम
क देखरेख मँ काम किहस। अगले हीसे क मरम्मत
हसब्याह किसह। हसब्याह कीला नाउँ क कस्बे क आधे
हीसा क प्रसासक रहा। उ अपने जिले क कइँती स मरम्मत
क इ काम करवाएस।

18अगले हीसे क मरम्मत ओनके भाइयन किहन। उ पचे
हेनादाद क पूत बव्वै क अधीनता मँ काम किहस। बव्वै
कीला कस्बे क आधे हीसे क प्रसासक रहा।

19एहसे अगले हीसे क मरम्मत क काम येसु क पूत
एज़ेर किहस। एज़ेर मिस्पा क राज्जपाल रहा। उ सस्त्रागार
स लइके परकोट क देवार क कोने तलक मरम्मत क काम
किहस। 20एकरे पाछे बारूक क पूत जब्बै ओहसे अगले
हीसे क मरम्मत किहस। उ उ कोने स लइके एल्यासीब क
घरे क दुआर तलक देवार क इ हीसे क बड़ी मेहनत स
मरम्मत किहस। एल्यासीब महायाजक रहा। 21उरियाह क
पूत मरेमोत एहसे आगे क देवार क एल्यासीब क घरे क
दरवाजे स लइके ओकरे घर क आखीर तलक मरम्मत
किहेन। उरियाह हक्कोस क पूत रहा। 22एकरे पाछे क देवार
क हीसे क मरम्मत क काम ओन याजकन क जरिये कीन्ह
गवा जउन उ इलाके मँ रहत रहेन।

23फुन बिन्यामीन अउ हस्सूब अपने घरन क आगे क
नगर देवार क हीसंन क मरम्मत किहन। ओकरे घर क बाद
क देवार मासेयाह क पूत अजर्याह किहेन। मासेयाह अन्नयाह
क पूत रहा।

24फुन हेनादाद क पूत बिन्नूई अजर्याह क घरे स लइके
देवार क मोड अउ फुन कोने तलक क हींसे क मरम्मत
किहेस।

25एकरे पाछे ऊजै क पूत पालाल देवार क उ मोड स
लइके बुर्ज तलक क देवार क मरम्मत क बरे काम
किहस। इ मीनार राजा क ऊपरी भवन पइ रही। इ राजा क
पहरेदारन क आँगन क लगे ही रहा। पालाल क पाछे परोस
क पूत पदायाह इ काम क अपने हाथन मँ लिहस।

26मन्दिर क जउन सेवक ओपेल पहाड़ी पइ रहा करत
रहेन उ पचे देवार क अगले हींसे क जल दुआर क पूर्ब
कइँती अउर ओकरे निअरे क गुम्बद तलक क मरम्मत क
काम किहन।

27बिसाल गुम्बद स लइके ओपेल क पहाड़ी स लगी
देवार तलक क समूचे हीसे क मरम्मत क काम तकोई क
लोगन पूरा किहन।

28अस्व दुआर क ऊपरी हींसे क मरम्मत क काम
याजकन किहस। हर याजक अपने घर क आगे क देवार
क मरम्मत किहस। 29इम्मेर क पूत सादोक अपने घरे क
समन्वा क हीसे क मरम्मत किहस। ओहसे आगे क हीसा

क देवार क मरम्मत सकन्याह क पूत समयाह किहस।
समयाह पूर्बी फाटक क दुआरपाल रहा।
30देवार क बचे भए हीसे क मरम्मत क काम सेलेम्याह
क पूत हनन्याह अउर सालाप क पूत हानून पूरा किहस।
(हानून सालाप क छठवाँ पूत रहा।)
बेरेक्याह क पूत मसुल्लाम अपने कार्यालय क आगे क
देवार क मरम्मत किहस। 31फुन सोनार मल्कियाह मन्दिर क
सेवकन क घरन अउर बइपारियन क घरन तलक क देवार
क मरम्मत किहस। यानी निरीच्छण दुआर क सामने स
देवार क कोने क ऊपरी कच्छ तलक क हीसे क मरम्मत
मल्कियाह किहस। 32कोने क ऊपरी कमरे स भेड़ दुआर
तलक क बीच क देवार क समूचा हींसा सोनारन अउ
बइपारियन ठीक किहन।

सम्बल्लत अउर तोबियाह

4 जब सम्बल्लत सुनेस कि हम लोग यरूसलेम क
नगर देवार क पुन:निर्माण करत अही, तउ उ बहोत
किरोधित अउ बियाकुल होइ उठा। उ यहूदियन क हँसी
उड़ावइ लाग। 2सम्बल्लत अपने मीतन अउर फउज स
सोमरोन मँ इ बिसय क लइके बातचीत किहस। उ कहेस,
“इ सबइ सक्तिहीन यहूदी का करत अहइँ? ओनकर बिचार
का अहइ? का उ पचे आपन बलियन चढ़ाइ पइही? साइद
उ पचे अइसा सोचत ही कि उ पचे एक दिन मँ ही इ
निर्माण कार्य क पूरा कइ लेइही। धूर माटी क इ ढेर मँ स
उ पचे पाथरन क उठाइके फुन स नवी जिन्नगी नाहीं दइ
पइही। इ सबइ तउ अब राखी अउ माटी क ढेर बन चुका
अहइँ।”
3अम्मोन क निवासी तोबियाह सम्बल्लत क संग रहा।
तोबियाह बोला, “इ सबइ यहूदी जउन निर्माण करत रहे
ओकरे बारे मँ इ सबइ का सोचत ही? जदि कउनो नान्ह स
लोखरी भी उ देवार पइ चढ जाइ तउ ओनकर उ पाथरन
क देवार ढह जाइ।”
4तब नहेमायाह परमेस्सर स पराथना किहस अउर उ
बोला, “हे हमरे परमेस्सर, हमरी बिनती सुना। उ सबइ लोग
हम स घिना करत ही। सम्बल्लत अउ तोबियाह हमार
अपमान करत हीं। एन बुरी बातन क तू ओन ही क संग
घटाइ द्या। ओनका ओन मनइयन क नाईं लज्जित कइके
जेनका बन्दी क रूप मँ लइ जावा जात रहा होइ। 5ओनकर
उ अपराध क दूर जिन करा अथवा ओनके ओन पापन क
छिमा जिन करा जेनका उ पचे तोहरे लखत किहन ह। उ
पचे देवार क बनावइ बालन क अपमान किहन ह अउर
ओनकर हिम्मत तोड़ेन ह।”
6हम यरूसलेम क देवार क पुन: निर्माण किहा ह। हम
नगर क चारिहुँ कइँती देवार बनावा ह। मुला ओका जेतना
ऊँच होइ चाही, उ ओहसे आधी ही रहि गइ ह। हम इ एह
बरे कइ पाए कि हमार लोग अपने समूचे मन स इ कार्य
क किहा।
7किन्तु सम्बल्लत, तोबियाह, अरब क लोगो, अम्मोन क
निवासियो अउर असदोद क रहइवाले लोगन क उ समइ
बहोत किरोध आवा। जब उ पचे इ सुनेन कि यरूसलेम क
देवार पइ लोग निरंतर काम करत अहइँ। उ पचे सुने रहेन
कि लोग देवार क टूटा भवा भाग क भरत अहइँ। 8तउ उ
पचे सबहिं लोग आपुस मँ बटुरेन अउर उ पचे यरूसलेम
क खिलाफ जोजनन बनाएन। उ पचे यरूसलेम क खिलाफ
गड़बड़ी पइदा करइ क सडयन्त्र रचेस। उ पचे इ जोजना भी
बनाएन कि नगर क ऊपर चढाई कइके जुद्ध कीन्ह जाइ।
9मुला हम अपने परमेस्सर स बिनती किहस अउर नगर
देवार क देवारन पइ हम पहरेदार बइठाए दिहन ताकि उ पचे
हीआँ दिन-रात रखवारी करइँ जेहसे हम ओन लोगन क
मुकाबला करइ क बरे तुरन्त तइयार रहइँ।
10उधर उहइ समइ यहूदा क लोग कहेन, “कारीगर लोग
थकत जात अहइँ। हुवाँ बहोत स कचरा पड़ा अहइ। तउ
हम अब देवार पइ निर्माण कार्य करत नाहीं रहि सकित।
11अउर हमार दुस्मन कहत अहइँ, ‘एहसे पहिले कि यहूदियन
क एकर पता चलइ या उ पचे हम क लखि लेइँ, हम
ठीक ओनके बीच पहोंच जाब। हम ओनका मार डाउब
जेहसे ओनकर काम रुक जाइ।’”
12एकरे पाछे हमरे दुस्मनन क बीच रह रहे यहूदी हमरे
लगे आवइँ अउर उ पचे हम स दस दाईं इ कहेन, “हमरे
चारिहुँ कइँती हमार दुस्मन अहइँ, हम जिधर भी मुड़ी, हर
कहूँ हमार दुस्मन फइले अहइँ।”
13तउ मइँ देवार क देवार क संग-संग जउन जगह सब
स खाले पड़त रहिन, ओनके पाछे कछू लोगन क नियुक्त
कइ दिहेउँ अउर मइँ देवार मँ जउन नाके पडत रहेन, ओन
पइ भी लोगन क लगाइ दिहेउँ। मइँ समूची देवारन क
ओनकर तरवारन, भालन अउर धनुस बागन क संग हुवाँ
लगाइ दिहेउँ। 14मइँ सारी स्थिति क अंजाद लिहेउँ अउर
फुन खड़े होइके महत्त्वपूर्ण परिवारन, हाकिमन अउ दूसरे
लोगन स कहेउँ, “हमरे दुस्मनन स डेराअ जिन। हमरे
सुआमी क याद राखा। यहोवा महान अहइ अउ सक्तीसाली
अहइ। तू पचन्क अपने भाइयन, अपने पूतन अउ अपनी
बिटियन क बरे इ लडाई लडब ही अहइ। तू पचन्क अपनी
मेहररूअन अउ अपने घरन क बरे जुद्ध करब ही होइ।”
15एकरे पाछे हमरे दुस्मनन क कान मँ इ भनक पड गइ
कि हम क ओनकी जोजनन क पता चल चुका ह। उ पचे
जान गएन कि परमेस्सर ओनकी जोजनन पइ पानी फेर
दिहस। एह बरे हम सबहिं नगर देवार क देवार पइ काम
करइ क वापस लउटि गए। हर मनई फुन अपने जगह पइ
वापस चला गवा अउर अपने हींसे क काम करइ लाग।
16उ दिन क पाछे स मोरे आधे लोग देवार पइ काम करइ
लागेन अउर मोर आधे लोग भालन, ढारन, तीरन अउर
कवचन स सुसज्जित होइके पहरा देत रहे। यहूदा क ओन
लोगन क पाछे जउन नगर देवार क देवार क निर्माण करत
रहेन, फउज क अधिकारी खड़े रहत रहेन। 17सामान
ढोवइवाले मजदूर एक हाथ स काम करतेन तउ ओनके
दूसर हाथे मँ हथियार रखत रहेन। 18हर कारीगर क बगल
मँ जब उ काम करत भवा होत, तरवार बँधी रहत रही।
लोगन क सावधान करइ बरे तुरही बजावइवाला मनई मोरे
लगे ही रहत। 19फुन प्रमुख हथियारन, हाकिमन अउर बाकी
दूसरे लोगन क सम्बोधित करत भए मइँ कहेउँ, “इ बहोत

बड़ा काम अहइ। हम देवार क सहारे सहारे फइले भए
अही। हर एक दूसरे स दूर पड गए अही। 20तउ जदि तू
तुरही क अवाज सुना, तउ उ निर्धारित जगह पइ भाग आवा
हुँवइ हम सब बटुरब अउर हमरे बरे परमेस्सर जुद्ध करी।”
21इ तरह हम यरूसलेम क उ देवार पइ काम करत रहे
अउर हमरे आधे लोग भाले थामे रहे। हम भिंसारे क
पहली किरण स लइके रात मँ तारे छिटकइ तलक काम
किया करत रहे।
22उ अवसर पइ लोगन स मइँ इ भी कहे रहेउँ: “रात
क समइ हर मनई अउर ओकर सेवक यरूसलेम क भीतर
ही ठहरइ ताकि राति क समइ मँ उ पचे पहरेदार रहइँ
अउर दिन क समइ कारीगर।”
23इ प्रकार हम मँ स कउनो भी कबहुँ अपने ओढ़ने
नाहीं उतारत रहा न मइँ, न मेरे साथी, न मेरे लोग अउर न
पहरेदार। हर समइ हम मँ स हर एक मनई अपने दाहिने
हाथ मँ हथियार तइयार रखा करत रहा।

नहेमायाह क जरिये गरीबन क मद्द

5 बहोत स गरीब लोग अपने यहूदी भाइयन क खिलाफ
सिकाइत करइ लगे रहेन। 2ओनमाँ स कछू कहा
करत रहेन, “हमरे बहोत स बच्चन अहइँ। जदि हम क
खइया क खाब अहइ अउर जिअत रहब अहइ तउ हम क
थोडा अनाज तउ मिलइ ही चाही।”
3दूसर लोगन क कहब अहइ, “इ समइ अकाल पड़त
अहइ। हम क अपने खेत अउ घर गिरवी रखइ पड़त अहइँ
ताकि हम क थोड़ा अनाज मिलि सकइ।”
4कछू लोग इ भी कहत रहेन, “हम क अपने खेतन
अउर अँगूर क बगीचन पइ राजा क कर चुकावइ पड़त ह
मुला हम कर चुकाइ नाहीं पाइत एह बरे हम क चुकावइ
क बरे धन उधार लेइ पड़त ह। 5ओन धनवान लोगन क
तरफ लखा। हम भी वइसे ही अच्छे अही जइसे उ पचे
हमरे पूत भी वइसे ही अच्छे अहइँ, जइसे उनके पूत। किन्तु
हम क अपने पूत बिटिया दासन रूप मँ बेचइ पडत अहइ।
हम मँ स कछू क तउ दासन क रूप मँ अपनी बिटियन क
वेचइ भी पडा हे। अइसा कछू भी तउ नाहीं अहइ जेका हम
कइ सकइँ। हम अपने खेतन अउ अँगूर क बगीचन क
खोइ चुके अहइँ। अब दूसर लोग ओनके मालिक अहइँ।”
6जब मइँ ओनकर इ सबइ सिकाइतन सुनेउँ तउ मोका
बहोत किरोध आवा। 7मइँ खुद क सांत किहेउँ अउर फुन
धनी परिवारन अउ हाकिमन क लगे जाइ पहोचेउँ। मइँ
ओनसे कहेउँ, “तू पचे अपने ही लोगन क उ धने पइ
बियाज चुकावइ क बरे मजबूर करत अहा जेका तू ओनका
उधार देत अहा। निहचइ ही तू पचन्क अइसा बन्द कइ देइ
चाही।” फुन मइँ लोगन क एक ठु सभा बोलाएउँ 8अउर
फुन मइँ ओन लोगन स कहेउँ ‘दूसरे देसन मँ हमरे यहूदी
भाइयन क दासन क रूप मँ बेचा जात रहा। ओनका वापस
बेसहइ अउ अजाद करावइ क बरे हम स जउन बन पडा,
हम कीन्ह अउर अब तू पचे ओनका फुन दासन क रूप मँ
बेचत अहा अउर हम क फुन ओनका वापस लेइ पड़ी।’ इ
तरह उ सबइ धनी लोग अउर उ सबइ हाकिम चुप्पी साधे
रहेन। कहइ क ओनके लगे कछू नाहीं रहा। 9तउ मइँ
बोलत चला गवा। मइँ कहेउँ, “तू लोग जउन कछू करत
अहा, उ उचित नाहीं अहइ। तू पचे इ जानत अहा कि तू
पचन्क परमेस्सर स डेराइ चाही अउर ओकर सम्मान करइ
चाही। तू पचन्क अइसे लज्जापूर्ण कार्य नाहीं करइ चाही
जइसे दूसर लोग करत हीं। 10मोर लोग, मोरे भाई अउर
खुद मइँ भी लोगन क धन अउर अनाज उधार पइ देत ही।
मुला आवा हम ओन कर्जन पइ बियाज चुकावइ क बरे
ओनका मजबूर करब बन्द कइ देइ। 11इहइ दिना तू पचन्क
ओनके खेतन, अंगूरे क बगीचन, जैतून क बाग अउर
ओनकर घर ओनका जरूर वापस लउटाइ देइ चाही अउर उ
बियाज भी तू पचन्क ओनका लउटाइ देइ चाही जउन तू
पचे ओनसे वसूल किहा ह।”
12एह पइ धनी लोगन अउ हाकिमन कहेन, “हम इ
ओनका लउटाइ देब अउर ओनसे हम कछू भी नाहीं
माँगब। हे नहेमायाह, तू जइसा कहत ह, हम वइसा ही
करब।”
एकरे पाछे मइँ याजकन क बोलाएउँ। मइँ धनी लोगन
अउ हाकिमन स इ प्रतिग्या करवाएउँ कि जइसा उ पचे
कहेन ह, उ पचे वइसा ही करिहीं। 13एकरे पाछे मइँ अपने
ओढ़नन क सलवटन क फाड़त भए कहेउँ, “हर उ मनई क
साथ, जउन अपने बचन क नाहीं निभाई, परमेस्सर तद्नुकूल
करी। परमेस्सर ओनका ओनके घरन स उखाड़ देइ अउर उ
पचे जउन भी चिजियन क बरे काम किहन ह उ पचे सबहिं
ओनके हाथ स जाती रही। उ मनई आपन सबहिं कछू खोइ
बइठी।”
मइँ जब एन बातन क कहब समाप्त किहेउँ तउ सबहिं
लोग एनसे सहमत होइ गएन। उ पचे सबहिं बोलेन,
“आमीन।” अउर फुन उ पचे यहोवा क बडकई किहन अउर
इ तरह जइसा उ पचे बचन दिहे रहेन, वइसा ही किहन।
14अउर फुन यहूदा क धरती पइ अपने राज्जपाल काल
क दौरान ज तउ मइँ अउर न मोरे भाइयन उ भोजन क
ग्रहण किहेन जउन राज्जपाल क बरे निआव पूर्ण नाहीं रहा।
मइँ अपने भोजन क बेसहइ क वास्ते कर चुकावइ बरे
कबहुँ कउनो पइ दबाव नाहीं डाएउँ। राजा अर्तछत्र क सासन
काल क बीसवे साल स बत्तीसवे बरिस तलक मइँ हुवाँ क
राज्जपाल रहा। मइँ बारह बरिस तलक यहूदा क राज्जपाल
रहा। 15मुला मोहसे क पहिले क राज्जपालन लोगन क
जिन्नगी क दूभर बनाइ दिहे रहेन। उ सबइ राज्जपाल लोगन
पइ लगभग एक पौण्ड चाँदी चालीस सकेल देइ क बरे
दबाव डावा करत रहेन। ओन लोगन पइ उ पचे खाना अउ
दाखरस देइ क बरे भी दबाव डावत रहेन। ओन राज्जपालन
क नीचे क हाकिम भी लोगन पइ हुकूमत चलावत रहेन
अउर जिन्नगी क अउर जियादा दूभर बनावत रहेन। किन्तु
मइँ काहेकि परमेस्सर क आदर करत रहेउँ, अउर ओहसे
डेरात रहेउँ, एह बरे मइँ कबहुँ वइसे काम नाहीं किहेउँ।
16यरूसलेम क देवार क बनावइ मँ मइँ कड़ी मेहनत किहे
रहेउँ। मोर सबहिं सेवकन देवार पइ काम करत रहेन। हम
पचे कउनो भी जमीन नाही लिहेन।

17मइँ, अपने भोजन क चउकी पइ नियमित रूप स
हाकिमन क संग एक सौ पचास यहूदियन क खाइ पइ
बोलाया करत रहेउँ। मइँ चारिहुँ ओर क देसन क लोगन क
भी भोजन देत रहेउँ जउन मोरे लगे आवा करत रहेन।
18मोरे संग मेरी मेज पइ खाइवाले लोगन क बरे एँतना
खाना सुनिहचित कीन्ह गवा रहा: एक ठु बर्धा, छ तगड़ी
भेड़िन अउर अलग-अलग तरीके क पंछी। एकरे अलावा
हर दसन दिन मोरी मेज पइ हर तरह क दाखरस लावा जात
रहा। फुन भी मइँ कबहुँ अइसे भोजन क माँग नाहीं किहेउँ,
जउन राज्जपाल क बरे अनुमोदित नाहीं रहा। मइँ अपने
भोजन क दाम चुकावइ क वास्ते, ओन लोगन पइ कबहुँ
दबाव नाहीं डाएउँ। मइँ इ जानत रहेउँ कि उ सबइ लोग
जउने काम क करत अहइँ उ बहोत कठिन अहइ।
19परमेस्सर, ओन लोगन क बरे मइँ जउन अच्छा किहेउँ ह,
तू ओका याद राखा।

जियादा समस्यन

6 एकरे पाछे सम्बल्लत, तोबियाह, अरब क रहइवाले
गेसेम अउर हमार दुस्मनन इ सुनेन कि मइँ देवार क
निर्माण कराइ चुका हउँ। हम उ देवार मँ दरवाजन बनाइ
चुके रहेन किन्तु तब तलक दरवाजन पइ जोड़ियन नाहीं
चढ़ाई गई रहिन। 2तउ सम्बल्लत अउर गेसेम मोरे लगे इ
सँदेसा पठएन: "नेहमायाह, तू आइके हम स मिला। हम
ओनो क मइदान मँ कैफरीम नाउँ क कस्बे मँ मिल सकत
ही।" किन्तु ओनकर जोजना तउ मोका नोस्कान पहोंचावइ
क रही। 3तउ मइँ ओनके लगे इ जवाब क संग सँदेस
पठइ दिहेउँ: "मइँ हिआँ महत्त्वपूर्ण काम मँ लगा हउँ। तउ
मइँ नीचे तोहरे लगे नाहीं आइ सकत। मइँ सिरिफ एह बरे
काम बन्द नाहीं करइ चाहब कि तोहरे लगे आइके तोहसे
मिल सकउँ।"
4सम्बल्लत अउ गेमेस मोरे लगे चार दाईं वइसे ही
सँदेसा पठएन अउर हर दाईं मइँ भी ओनका उहइ जवाब
पठवाइ दिहेउँ।
5फुन पाँचवी दाईं सम्बल्लत उहइ सँदेसा क संग अपने
सहायक क मोरे लगे पठएस। ओकरे हाथ मँ एक पत्र रहा
जउने पइ मोहर नाहीं लगी रही। 6उ पत्र मँ लिखा रहा:
"चारिहुँ तरफ एक अफवाह फइली भइ अहइ। हर कहूँ
लोग उहइ बात क चर्चा करत अहइँ अउर गेमेस क कहब
अहइ कि उ फुरइ अहइ। लोगन क कहब अहइ कि तू
अउर यहूदी, राजा स बगावत क जोजना बनावत रहे अहा
अउर इहइ बरे तू यरूसलेम क नगर देवार क निर्माण करत
अहा। लोगन क इ भी कहब अहइ कि तू ही यहूदियन क
नवा राजा बनब्या।
7"अउर इ अफवाह भी अहइ कि तू यरूसलेम मँ अपने
विसय मँ इ घोसणा करइ बरे भविस्सबक्ता भी चुन लिहा
ह: 'यहूदा मँ एक ठु राजा अहइ।'
"नहेमायाह! अब मइँ तोहका चितउनी देत हउँ। राजा
अर्तछत्र इ बिसय क सुनवाई करी तउ हमरे लगे आ अउर
हमसे मिलिके इ बारे मँ बातचीत कर।"
8तउ मइँ सम्बल्लत क लगे इ जवाब पठवाइ दिहेउँ, "तू
जइसा कहत रह्या ह वइसा कछू नाहीं होत अहइ। इ सब
बातन तोहार अपनी खोपड़ी क उपज अहइँ।"
9हमार दुस्मन बस हम क डेरावइ क जतन करत अहइँ।
उ पचे अपने मने मँ सोचत रहेन, "यहूदी लोग डेराइ जइहीं
अउर काम क चलत रखइ बरे बहोत निर्बल पड़ जइहीं
अउर फुन देवार पूरी नाहीं होइ पाई।"
किन्तु मइँ अपने मन मँ इ बिनती किहेउँ, "परमेस्सर
मोका मजबूत बनावा।"
10मइँ एक दिन दलायाह क पूत समायाह क घर गएउँ।
दलायाह महेतबेल क पूत रहा। समायाह क अपने घरे मँ ही
रूकइ पड़त रहा। समायाह कहेस,
"नहेमायाह आवा हम परमेस्सर क मन्दिर क भीतर
मिली। आवा चली भीतर हम पवित्तर ठउर क अउर बन्द
दुआरन क कइ लेइ आवा, वइसा करी हम काहे? काहेकि
लोग अहइँ आवत रहे मारइ क तोहका। उ पचे आवत
अहइँ आजु रात मार डावइ क तोहका।"
11किन्तु मइँ समायाह स कहेउँ, "का मोरे जइसे कउनो
मनई क पराइ जाइ चाही? तू तउ जानत ही अहा कि मोरे
जइसे मनई क आपन परान बचावइ क बरे मन्दिर मँ भाग
जाइ चाही। तउ मइँ हुवाँ नाही जाबउँ।"
12मइँ जानत रहेउँ कि समायाह क परमेस्सर नाही पठएस
ह। मइँ जानत रहेउँ कि मोरे खिलाफ उ एह बरे अइसी झूठ
भविस्सबाणियन करत अहइ कि तोबियाह अउर सम्बल्लत
ओका वइसा करइ बरे धन दिहस ह। 13समायाह क मोका
डेरावइ बरे भाड़े पइ रखा गवा रहा। उ पचे इ चाहत रहेन
कि डरके छिपइ बरे मन्दिर मँ पराइके मइँ पाप करउँ ताकि
मोका लज्जित करइ अउ बदनाम करइ क कउनो आधार
होइ।
14हे परमेस्सर! तोबियाह अउ सम्बल्लत क याद राखा।
ओन बुरे कामन क याद राखा जउन उ पचे किहन ह। उ
नबिया नोअद्याह अउ ओन नबियन क याद राखा जउन
मोका भयभीत करइ क जतन करत अहइँ।

परकोटा पूरा होइ गवा

15इ तरह एलूल नाउँ क महीने क पच्चीसवीं तारीख क
यरूसलेम क परकोटा बनिके तइयार होइ गवा। देवार क
बनिके पूरा होइ मँ बावन दिन लगेन। 16फुन हमार सबहिं
दुस्मनन सुनेन कि हम परकोटा बनाइके तइयार कइ लिहा
ह। हमरे आस पास क सबहि देसन लखेन कि निर्माण कार्य
पूरा होइ चुका ह। एहसे ओनकर हिम्मत टूट गइ काहेकि
उ पचे जानत रहेन कि हम इ कार्य हमरे परमेस्सर क मदद
स पूरा किहा ह।
17एकरे अलावा ओन दिनन जब उ देवार बनिके पूरी होइ
चुकी रही तउ यहूदा क धनी लोग तोबियाह क पत्र
लिख-लिखके पत्र पठवइ लागेन, तोबियाह ओनके पत्रन क
जवाब दिया करत। 18उ पचे एन पत्रन क एह बरे पठवा
करत रहेन कि यहूदा क बहोत स लोग ओकरे बरे वफादार
बने रहइ क कसम उठाए भए रहेन। एकर कारण इ रहा
कि तोबियाह सकम्याह क दामद रहा। जउन आरह क पूत

रहा अउर तोबियाह क पूत यहोहानान बेरेक्याह क पूत
मसुल्लाम क बिटिया स बियाह किहे रहे। 19अउर उ सबइ
लोग मोहसे कहत रहत रहेन कि तोबियाह केतना अच्छा
अहइ अउर उधर उ पचे जउन काम मइँ किया करत रहेउँ,
ओकरे बारे मँ तोबियाह क खबर देत रहेन। तोबियाह मोका
डरावइ बरे पत्र पठवत रहत रहा।

7 इ तरह हम देवार बनावइ क काम पूरा कीन्ह। फुन
हम देवार पइ दरवाजन लगाए। फुन हम दुआर क
पहरेदारन, मन्दिर क गायकन अउ लेबियन क चुनेन। 2एकरे
पाछे मइँ अपने भाई हनानी क यरूसलेम क हाकिम नियुक्त
कइ दीन्ह। मइँ हनन्याह नाउँ क एक ठु अउर मनई क
चुनेउँ अउर ओका किलेदार नियुक्त कइ दिहेउँ। मइँ हनानी
क एह बरे चुने रहेउँ कि उ बहोत ईमानदार मनई रहा अउर
उ परमेस्सर स आप लोगन स कहूँ जियादा डेरात रहा। 3तब
मइँ हनानी अउर हनन्याह स कहेउँ, "तोहका हर दिन
यरूसलेम क दुआर खोलइ स पहिले घंटन सूरज चढ जाइ
क पाछे तलक इंतजार करत रहइ चाही अउर सूरज छुपइ स
पहिले ही तोहका दरवाजन बन्द कइके ओन पइ ताला
लगाइ देइ चाही। यरूसलेम मँ रहइवाले लोगन मँ स
तोहका कछू अउर लोग चुनइ चाही अउर ओनका नगर क
रच्छा करइ बरे बिसेस जगहन पइ नियुक्त करा अउर कछू
लोगन क ओनके घरन क लगे ही पहरे पइ लगाइ द्या।"

लउटे भए बन्दियन क सूची

4अब लखा, उ एक बहोत बडा नगर रहा जहाँ पर्याप्त
जगह रही। किन्तु ओनमाँ लोग बहोत कम रहेन अउर
मकान अबहिं तलक फुन स नाहीं बनाए गए रहेन। 5एह बरे
मोर परमेस्सर मोरे मन मँ एक बात पइदा किहस कि मइँ
सबहि लोगन क एक सभा बुलाएउँ तउ मइँ सबहि
महत्त्वपूर्ण लोगन क, हाकिमन क अउर सर्वसाधारण क
एक संग बोलाएउँ। मइँ इ काम एह बरे किहेउँ कि मइँ
ओन सबहि परिवारन क एक सूची तइयार कइ सकउँ।
मोका अइसे लोगन क पारिवारिक सूचियन मिली जउन
दासता स सब स पहिले छूटइवालन मँ स रहेन। हुवा जउन
लिखा भवा मोका मिला, उ इ तरह अहइ।
6इ सबइ पहँटा क उ सबइ लोग अहइँ जउन दासत्व स
अजाद होइके लउटेन (बाबेल क राजा, नबूकदनेस्सर एन
लोगन क बन्दी बनाइके लइ गवा रहा। इ सबइ लोग
यरूसलेम अउ यहूदा क लउटेन। हर मनई अपने-अपने
नगर मँ चला गवा। 7इ सबइ लोग जरुब्बाबेल, येसू,
नहेमायाह, अजर्याह, राम्याह, नहमानी, मोर्दकै, बिलसान,
मिस्पेरेत, बिग्वै, नहूम अउर बाना क संग लउटे रहेन।

इस्राएल क लोगन क सूची

8पॅरोस क संतान	2,172
9सपत्याह क संतान	372
10आरह क संतान	652
11पहत्मोआब क संतान (येसू अउर योआब क परिवार क संतानन)	2,818
12 एलाम क संतान	1,254
13जत्तू क संतान	845
14जक्कै क संतान	760
15बिन्नूई क संतान	648
16बेबै क संतान	628
17अजगाद क संतानन	2,322
18अदोनीकाम क संतान	667
19बिग्वै क संतान	2,067
20आदीन क संतान	655
21आतेर क संतान (हिजीकयाह क परिवार स)	98
22हासम क संतान	328
23बेसै क संतान	324
24हारीप क संतान	112
25गिबोन क संतान	95
26बेतलेहेम अउर नतोपा नगरन क लोग	188
27अतानोत नगर क लोग	128
28बेतजमावत नगर क लोग	42
29किर्यत्यारीम, कपीर तथा बेरोत नगरन क लोग	743
30रामा अउर गेबा नगरन क लोग	621
31मिकपास नगर क लोग	122
32बेतेल अउर ऐ नगर क लोग	123
33नबो नाउँ क दूसर नगर क लोग	52
34एलाम नाउँ क दूसर नगर क लोग	1,254
35हरीम नाउँ क नगर क लोग	320
36यरीहो नगर क लोग	345
37लोद, हादीद अउर ओनो नाउँ क नगरन क लोग	721
38सना नाउँ क नगर क लोग	3,930
39याजकन क सूची यदायाह क संतान (येसू क परिवार स)	973
40इम्मेर क संतान	1,052
41पसहूर क संतान	1,247
42हारीम क संतान	1,017

43लेवी परिवार समूह क लोगन क सूची:

येसू क संतान (कदमीएल क जरिये होदवा क परिवार स)	74

44गायकन क सूची:

आसाप क संतान	148

45दुआरपालन क सूची:

सल्लूम, आतेर, तल्मोन, अक्कूब, हतीता अउर सोबै क संतान	138

46मन्दिर क सेवकन क सूची:
सीहा, हसूपा अउर तब्बाओत क संतानन,
47केरोस, सीआ अउर पादोन क संतानन,
48लबाना, हगाबा अउर सल्मै क संतान,
49हानान, गिद्देल, गहर क संतान

50राया, रसीन अउर नकोदा क संतानन,
51गज्जाम, उज्जा, अउर पासेह क संतान
52बेसै, मूनीम, नपूसस क संतान,
53बकबूक, हकूपा, हर्हूर क संतान,
54बसलीत, महीदा अउर हर्सा क संतानन,
55बर्कोस, सीसरा अउर तेमेह क संतानन,
56नसीह अउर हतीपा क संतान।

57सुलैमान क सेवकन क संतान:
सोतै, सोपेरेत अउर परीदा क संतान
58याला दर्कोन अउर गिद्दोल क संतान,
59सपत्याह, हत्तील, पोकेरेत-हैस्सबायीम अउर आमोन
क संतानन,
60मन्दिर क सबहि सेवक अउ
सुलैमान क सेवकन क संतान रहिन। 392

61इ ओन लोगन क सूची अहइ जउन तेलमेलह,
तेलहर्सा, करूब अद्दोन अउर इम्मेर नाउँ क नगरन स
यरूसलेम आए रहेन। मुला इ सबइ लोग साबित नाहीं कइ
सकेन कि ओनकर परिवार असल मँ इस्राएल क लोगन स
सम्बन्धित रहेन:
62दलायाह, तोबियाह अउ नेकोदा
क संतानन 642

63इ ओन याजकन क सूची अहइ जउन
होबायाह, हक्कोस अउ बर्जिल्लै (जउन कउनो भी
मनई गिलाद क बर्जिल्लै क बिटियन स बियाह किहा
ओका बर्जिल्लै कहा जात रहा) क सन्तानन रहेन।

64जउन लोग अपने परिवारन क ऐतिहासिक दस्तावेजन
क हेरेन अउर उ पचे ओनका पाइ नाहीं सकेन, ओनकर
नाउँ याजकन क सूची मँ नाहीं जोरा जाइ सका। उ पचे
असफल रहेन एह बरे याजक नाहीं बन सकत रहेन। 65तउ
राज्जपाल ओनका एक आदेस दिहस जेकरे तहत उ पचे
कउनो भी बहोत पवित्तर भोजन क नाहीं खाइ सकत रहेन।
उ भोजन मँ स उ पचे उ समइ तलक कछू भी नाहीं खाइ
सकत रहेन जब तलक महायाजक ऊरीम अउर तुम्मीम क
उपयोग न कइ लेत रहेन।
66उ समूचे समूह मँ लोगन क गनती 42,360 रही
67अउर ओनके लगे 7,337 दास अउर दासियन रहिन
जउन गनती मँ नाहीं लीन्ह गवा रहेन, ओनके पास 245
गायक अउर गायिकन रहिन। 68ओनके लगे 736 घोड़न
अउर 245 खच्चर, 69अउर 435 ऊँट अउर 6,720 गदहन
रहेन।
70परिवार क कछू नेता लोगन उ कामे क सहारा देइ बरे
धन दिहे रहेन। राज्जपाल क जरिये निर्माण कोस मँ 19
पौण्ड सोना दीन्ह गवा रहा। उ याजकन क बरे 50 खोरन
अउ 530 जोड़ी ओढ़नन भी दिहे रहेन। 71परिवार क मुखिया
लोग 375 पौण्ड सोना उ काम क सहारा देइ क बरे
निर्माण कोस मँ दिहन अउर 1 1/3 टन चाँदी ओनके जरिये
भी दीन्ह गइ। 72दूसर लोग कुल मिलाइके 375 पौण्ड सोना
उ काम क सहारा देइ बरे निर्माण कोस क दिहन। उ पचे
1 1/3 टन चाँदी अउर याजकन क बरे 67 जोड़े ओढ़नन
भी दिहन।
73इ तरह याजक लेवी परिवार समूह क लोग, गायक
अउर मन्दिर क सेवक अपने-अपने नगरन मँ बस गएन
अउर इस्राएल क दूसर लोग भी अपने-अपने नगरन मँ रहइ
लागेन अउर फुन साल क सतएँ महीने तलक इस्राएल क
सबहि लोग अपने-अपने नगरन मँ बस गएन।

एज्रा क जरिये व्यवस्था विधान क बाँचा जाब

8 फुन इस्राएल क सबहिं लोग आपस मँ एकट्ठे भएन।
उ पचे सबहिं एक रहेन अउर इ तरह एकमत रहेन
जइसे माना उ पचे एक मनई होइँ। जल दुआर क समन्वा
क खुले चौक मँ उ पचे आपुस मँ मिलेन। उ पचे लिपिक
एज्रा स मूसा क व्यवस्था क किताब क लिआवइ बरे
कहेन। इ उहइ व्यवस्था क विधान अहइ जेका इस्राएल क
लोग यहोवा क दिहे रहेन। 2तउ याजक एज्रा आपस मँ
एकट्ठे भएन। ओन लोगन क समन्वा व्यवस्था क विधान
क किताब क लइ आवा। उ दिन महीने क पहिली तारीख
रही अउर उ महीना बरिस क सातवाँ महीना रहा। उ सभा
मँ मनसेधू रहेन, मेहररूअन रहिन, अउर उ पचे सबहिं रहेन
जउन बातन क सुन अउर समुझ सकत रहेन। 3एज्रा भिंसारे
क तड़के स लइके दोपहर तलक इ व्यवस्था क विधान क
किताबे स पाठ किहा। उ समइ एज्रा क मुँह उ खुले चौक
क तरफ रहा जउन जल दुआर क समन्वा पड़त रहा। उ
सबहिं मनसेधुअन, मेहररूअन अउ ओन सबहिं लोगन क
बरे ओका बाँचेस जउन सुन समुझ सकत रहेन। सबहि लोग
व्यवस्था क विधान क सावधानी स सुनेन।
4एज्रा काठे क उ ऊँच मंच पइ खड़ा रहा जेका इ
बिसेस अवसर क बरे ही बनावा गवा रहा। एज्रा क दाहिन
कइँती मत्तित्याह, सेमा, अनायाह, उरिय्याह, हिल्कियाह
अउर मासेयाह खड़े रहेन अउर एज्रा क बाई कइँती पदायाह,
मीसाएल, मल्कियाह, हासूम, हस्बद्दाना, जकर्याह अउर
मसुल्लाम खड़े भए रहेन।
5फुन एज्रा उ किताबे क खोलेस। एज्रा सबहि लोगन क
देखाई देत रहा काहेकि उ सब लोगन स ऊपर एक ऊँचे
मंच पइ खड़ा रहा। एज्रा व्यवस्था क विधान क किताब क
जइसे ही खोलेस, सबहि लोग खड़े होइ गएन। 6एज्रा महान
परमेस्सर यहोवा क प्रसंसा किहस अउर सबहि लोग अपने
हाथ ऊपर उठावत भए एक सुर मँ कहेन, “आमीन!
आमीन!” अउर फुन सबहि लोग आपन मूँडि खाले निहुराइ
दिहन अउर धरती पइ दण्डवत करत भए यहोवा क अराधना
किहन।
7लेवीबंस परिवार समूह क एन मनइयन व्यवस्था क
विधान क व्याख्या तब किहेन सबहिं हुवाँ खड़े रहेन।
लेवीबंस क ओन लोगन क नाउँ रहेन: येसू, बानी,
सेरेब्याह, यामीन, अक्कूब, सब्बतै, होदियाह, मासेयाह,
कलिता, अजर्याह, योजबाद, हानान अउ पलायाह। 8लेवीबंस
क एन लोग परमेस्सर क व्यवस्था क विधान क किताब क

पाठ किहन। उ पचे ओनकर अइसी स्पस्ट किहेन कि लोग
ओका समुझ सकइँ।
9एकरे पाछे राज्जपाल नहेमायाह याजक अउ सिच्छक
एज्रा अउ लेवीबंस क लोग जउन लोगन क सिच्छा देत
रहेन, बोलेन। उ पचे कहेन, "आजु क दिन तोहरे परमेस्सर
यहोवा क बिसेस दिन अहइ दु:खी जिन ह्वा, बिलाप जिन
करा।" उ पचे अइसा एह बरे कहे रहेन कि लोग व्यवस्था
क विधान मँ परमेस्सर क संदेसा सुनत भए रोवइ लगे रहेन।
10नहेमायाह कहेस, "जा, अउर जाइके उत्तिम भोजन अउ
सर्बत क आनन्द ल्या। अउर तनिक खाना अउर सर्बत ओन
लोगन क भी द्या जउन कउनो खाना नाहीं बनावत ही।
आजु यहोवा क खास दिन अहइँ। दु:खी जिन रहा। काहेकि
यहोवा क आनन्द तोहका मज़बूत बनाइ देब।"
11लेवीबंस परिवार क लोग लोगन क सांत होइ मँ मदद
किहन। उ पचे कहेन, "चुप होइ जा, सांत रहा, इ एक
बिसेस दिन अहइ। दुखी जिन ह्वा।"
12एकरे पाछे सबहि लोग खावइ अउर पीवइ बरे चले
गएन। उ पचे खइया क ओका दिहेन जेका ओकर जरूरत
अहइ। उ पचे बहोत खुस रहेन अउर इ तरह उ पचे उ
बिसेस दिन क मनाएन काहेकि उ पचे यहोवा क ओन
सिच्छन क समुझ लिहन जेनका ओनका समुझावइ क
सिच्छक जतन किया करत रहेन।
13फुन महीने क दूसरी तारीख क सबहि परिवारन क
मुखिया, एज्रा, याजकन अउ लेवीबंसियन, स भेटइ गएन
अउर ब्यवस्था क विधान क बचनन क समुझइ क बरे
सबहिं लोग सिच्छक एज्रा क घेरिके खड़े होइ गएन।
14उ पचे समुझिके इ पाएन कि व्यवस्था क विधान मँ इ
आदेस दीन्ह गवा ह कि साल क सतएँ महीने मँ इस्राएल
क लोगन क एक बिसेस पवित्तर पर्व मनावइ क बरे
यरूसलेम जाइ चाही। ओनका चाही कि उ पचे अस्थायी
झोपड़ियन बनाइके हुवाँ रहइँ। लोगन क इ आदेस यहोवा
मूसा क जरिये दीन्ह रहा। 15लोगन क चाही रहा कि उ पचे
अपने नगरन अउ यरूसलेम स गुजरत भए एन बातन क
घोसणा करइँ: "पहाड़ी प्रदेस मँ जा अउर हुवाँ स तरह तरह
क जइतून क बृच्छन क टहनियन लइके आवा। मेंहदी,
खजूर अउर छायादार सघन बृच्छन क डारन लिआवा, फुन
ओन टहनियन स अस्थायी आवास बनावा। वइसा ही करा
जइसा व्यवस्था क विधान बनावत ह।"
16तउ लोग बाहेर गएन अउर ओन-ओन बृच्छन क
टहनियन लइ आएन अउर फुन ओन टहनियन स उ पचे
अपने बरे अस्थायी झोपड़ियन बनाइ लिहन। अपने घरे क
छतन पइ अउर अपने-अपने अँगनन मँ उ पचे झोपड़ियन
डाइ लिहन। उ पचे मन्दिर क आँगन जल-दुआर क निअरे
क खुले चौक अउर एप्रैम दुआरे क निअरे झोपडियन बनाइ
लिहन। 17इस्राएल क लोनग क उ समूची टोली जउन
बँधुआपन स छूटिके आई रही, आवास बनाइ लिहस अउर
उ पचे अपनी बनाई झोपड़ियन मँ रहइ लागेन। नून क पूत
यहोसू क समइ स लइके उ दिन तलक इस्राएल क लोग
झोपडियन क त्यौहार क कबहुँ इ तरह नाहीं मनाए रहेन। हर
मनई आनन्द स मगन रहा।
18उ पर्व क हर रोज एज्रा ओन लोगन बरे व्यवस्था क
बिधान क किताब मँ स पाठ करत रहा। उ पर्व क पहिले
दिन स अन्तिम दिन तलक एज्रा ओन लोगन क व्यवस्था
क बिधान बाँचिके सुनावत रहा। इस्राएल क लोग सात दिन
तलक उ पर्व क मनाएन। फुन व्यवस्था क विधान क
मुताबिक अठएँ दिन लोग एक बिसेस सभा क बरे आपुस
मँ एकट्ठा भएन।

इस्राएल क लोगन क जरिये अपने पापन क अंगीकार

9 फुन उहइ महीने क चौबीसवीं तारीख क एक दिन क
उपवास क बरे इस्राएल क लोग आपुस मँ एकट्ठे
भएन। उ पचे इ देखावइ क बरे कि उ पचे दु:खी अउर
बेचैन अहइँ, उ पचे सोक वस्त्र धारण किहन, अपने अपने
मूँड़न पइ राखी डाएन। 2उ सबइ लोग जउन इस्राएल मँ
जनमा रहेन, उ पचे बाहेर क लोगन स अपने आप क
अलग कइ दिहन। इस्राएली लोग खड़े होइके अपने अउर
अपने पुरखन क पापन क कबूल किहन। 3उ सबइ लोग
हुवाँ लगभग तीन घण्टे खड़े रहेन अउर उ पचे अपने
यहोवा परमेस्सर क व्यवस्था क विधान क किताब क पाठ
किहन अउर फुन तीन घण्टे उ पचे यहोवा परमेस्सर क
समन्वा आपन मुँड़े क खाले निहुरेन अउर ओकर आराधना
किहेन अउर अपने पापन क कबूल किहन।
4फुन लेवीबंसी येसू, बानी, कदमीएल, सबन्याह, बुन्नी,
सेरेब्याह, बानी अउर कनानी मंच पइ खड़े होइ गएन अउर
उ पचे अपने परमेस्सर यहोवा क ऊँच सुर मँ गोहराएन।
5एकरे पाछे लेवीबंसी येसू, कदमीएल, बानी, हसबन्याह,
सेरेब्याह, होदियाह, सबन्याह अउर पतहयाह फुन कहेस। उ
पचे बोलेन: "खड़े होइ जा अउर अपने यहोवा परमेस्सर क
स्तुति करा।"

परमेस्सर सदा स जिअत रहा। अउर सदा ही जिअत रही।
लोगन क चाही कि स्तुति करइँ तोहरे बडकईवाले नाउँ क।
सबहिं आसीसन अउ सारे गुण गानन स नाउँ ऊपर उठइ
तोहार।

6तू तउ परमेस्सर अहा। यहोवा, बस तू ही परमेस्सर
अहा। अकासे क तू बनाया ह। सब स ऊँच अकासन क
रचना किहा तू, अउर जउन कछू अहइ ओनमाँ सब तोहार
बनावा अहइ! धरती क रचना किहा तू ही, अउर जउन कछू
धरती पइ अहइ। सागर क, अउर जउन कछू अहइ सागर
मँ। तू बनाया ह हर कउनो वस्तु क जिन्नगी तू देत ह!
सितारे सारे अकास क, निहुरत हीं समन्वा तोहरे अउर
उपासना करत हीं तोहार।

7यहोवा तू ही परमेस्सर अहा। तू मोका कसदियन क ऊर
जगह स बाहेर निकालेस ह। तू ओकर नाउँ बदलेस ह अउर
ओका नाउँ इब्राहीम दिहेस ह।

8तू इ लखे रह्या कि उ सच्चा अउर निस्ठावान रहा
तोहरे बरे। कइ लिहा उ साथ ओकरे वाचा एक ओका देइ
क धरती कनान क बचन दिहा तू धरती, जउन हुवा करत
रही हित्तियन क अउर एमोरियन क। धरती, जउन हुवा करत

रही परिज्जियन, यबूसियन अउर गिर्गासियन क। मुला बचन दिहा तू उ धरती क देइ क इब्राहीम क संतानन क अउर आपन बचन उ पूरा किहा तू काहे? काहेकि तू उत्तिम अहा।

9यहोवा लखत रहा तड़पत भए तू हमरे पुरखन क मिस्र मँ। गोहरावत मदद क लाल सागर क तट पइ तू ओनका सुने रह्या।

10फिरौन क तू देखाए रह्या चमत्कार। तू हाकिमन क ओकरे अउर ओकरे लोगन क देखाए रह्या अद्‌भुत करम। तोहका इ गियान रहा कि सोचा करत रहे मिस्री कि उ पचे उत्तिम अहइँ हमरे पुरखन स। किन्तु साबित कइ दिहा तू कि तू केतना महान अहा। अउर अहइ ओकर याद बनी भइ ओनका आजु तलक भी।

11सामने ओकरे लाल सागर क बाटँ दिहा तू, अउर उ पचे पार होइ ग रहेन झुरान धरती पइ चलत भए। मिस्र क फउजी पाछा करत रहेन ओनका। मुला बोर दिहा तू ही रह्या दुस्मन क सागर मँ। अउर उ पचे बूड़ गएन सागर मँ जइसे बूड़ जात ह पानी मँ पाथर।

12मीनार जइसे बादर स दिन मँ ओनका राह तू देखँाया अउर आगी क खंभे क प्रयोग कइके राति मँ ओनका तू देखँाया राह। मार्ग क तू ओनके इ तरह कइ दिहा ज्योतिर्मय अउर देखाइ दिहा ओनका कि कहाँ ओनका जाब अहइ।

13फुन तू उतर्‌या सीनै पहाड़ पइ अउर अकासे स तू रह्या ओनका सम्बोधित किहा। उत्तिम विधान दइ दिहा तू ओनका सच्ची सिच्छा क रहा तू दिहा ओनका। व्यवस्था क विधान ओनका तू दिहा अउर तू दिहा आदेस ओनका बहोत उत्तिम।

14तू बताया ओनका सबित यानी अपने विस्राम क बिसेस दिन क विसय मँ। तू अपने सेवक मूसा क जरिये ओनका आदेस दिहा। व्यवस्था क विधान दिहा अउर दिहा सिच्छन।

15जब ओनका भूख लगी बरसाइ दिहे भोजन रह्या, तू अकासे स। जब ओनका पियास लाग, चट्टान स परगट किहे तू रह्या जल क अउर कहे तू रह्या ओनसे आवा, ‘लइ ल्या इ प्रदेस क।’ तू बचन दिहा ओन क उठाइके हाथ इ प्रदेस क ओनका।

16मुला उ सबइ पुरखन हमारे होइ गएन अभिमानी; उ पचे होइ गए हठी रहेन। कइ दिहन उ पचे मना आग्यन मानइ स तोहार।

17कइ दिहन उ पचे मना सुनइ स। उ पचे भूलेन ओन अचरज भरी बातन क जउन तू ओनके संग किहे रह्या। उ पचे होइ गएन जिद्दी। बिद्रोह उ पचे किहन, अउर बनाइ लिहन, आपन एक नेता जउन ओनका लउटाइके लइ जाइ। फुन ओनकर उहइ दासता मँ मुला तू तउ अहा दयावान परमेस्सर। तू अहा दयालु अउर करुणापूर्ण, धीरजवान, अउ पिरेम स भरा अहा तू। एह बरे तू रह्या त्यागा नाहीं ओनका।

18चाहे उ पचे बनाइ लिहन सोने क बछवा अउर कहेन, ‘बछवा अब देव अहइ तोहार’ इहइ स निकारा रहा तू पचन्क मिस्र स बाहर मुला ओनका तू त्यागा नाहीं।’

19तू बहोत ही दयालु अहा। एह बरे तू ओनका रेगिस्ताने मँ त्यागा नाहीं। दूर ओनसे हटाया नाहीं दिन मँ तू बादर क खम्भन क मारग तू देखावत रहा ओनका। अउर राति मँ तू रह्या दूर किहे नाहीं ओनसे आगी क पुंज क। प्रकासित तू करत रह्या रास्ते क ओनके। अउर तू देखावत रह्या कहाँ ओनका जाब अहइ।

20निज उत्तिम चेतना, तू दिहा ओनका ताकि तू बिवेकी बनाया ओनका। खाइ क देत रह्या, तू ओनका ‘मन्ना’ अउर पियास क ओनका तू देत्या रहा पानी।

21तू रख्या ओनकर धियान चालीस बरिसन तलक रेगिस्तान मँ। ओनका मिली हर वस्तु जेकर ओनका दरकार रही। ओढ़ना ओनकर फटे तलक नाहीं गोड़न मँ ओनके कबहुँ नाहीं आई सूजन कबहुँ कउनो पीरा मँ।

22यहोवा तू दिहा ओनका राज्ज, अउर ओनका दिहा जातियन अउर दूर सुदूर क जगह रहिन ओनका दिहा जहाँ बसत रहेन कछू लोग धरती ओनका मिल गइ सीहोन क, सीहोन जउन हसबोन क राजा रहा धरती ओनका मिल गइ ओग क, ओग जउन बासान क राजा रहा।

23तू ओनका अनन्त संतान जेतने अंबर मँ तारे अहइँ दिहा ह। ओनका तू उ धरती लइ आया जेकरे बरे ओनके पुरखन क तू कहे रहा कि उ पचे हुवाँ जाइँ अउर ओह पइ अधिकार करइँ।

24धरती उ ओन संतानन लइ लिहन। हुवाँ रह रहे कनानियन क उ पचे हराइ दिहन। पराजित कराया तू ओनसे ओन लोगन क साथ ओन प्रदेसन क अउर ओन लोगन क उ पचे जइसा चाहइँ वइसा करइँ अइसा रहा तू कराइ दिहा।

25सक्तीसाली नगरन क उ पचे हराइ दिहन। कब्जा किहन उपजाउ धरती पइ उ पचे। उत्तिम चिजियन स भरे भए लइ लिहन उ पचे घर; खोदे भए कुँअन क लइ लिहन उ पचे। लइ लिहन उ पचे रहेन बगीचे अंगूर क। जइतून क बृच्छ अउ फलन क बृच्छ भर पेट खाया उ पचे करत रहेन तउ उ पचे होइ गएन मोटे। तोहार दीन्ह सबहि अद्‌भुत चिजियन क आनन्द उ पचे लेत रहेन।

26अउर फुन उ पचे तोहार नाफ़रमानी किहेस अउर तोहार खिलाफ बिद्रोह किहेस। उ तोहरी नेम आपन पीठ क पीछे लोकाइ दिहन अउर तोहरे नबियन क मार डाएन। अइसे नबियन क जउन लोगन क सचेत करत रहेन। उ पेचे लोगन क तोहरी ओर वापिस लिआवइ क जतन किहेन। मुला हमार पुरखन तोहरे खिलाफ भयानक पाप किहेन।

27तउ तू ओनका ओनके दुस्मनन क हाथन मँ पकड़इ दिहा। ओनका दुस्मन बहुतेरे कस्ट दिहन। जब हमार पुरखन पइ बिपदा पड़ी तउ उ पचे तोहका गोहारत रहेन। अउर सरग मँ तू रह्या ओनका सुन लिहा। तू दायलु अउर रहम दिल अहइ एँह बरे तू ओन लोगन क बचावइ बरे लोगन क भेजेस। अउर ओन लोग ओनके दुस्मनन स छुड़ाइके ओनका बचाइ लिहन।

28मुला, जइसे ही चैन ओनका मिलत रहा, वइसे ही उ पचे बुरे काम करइ लग जातेन बार बार। तउ दुस्मनन क हाथन ओनका सौंप दिहा तू ताकि उ पचे करइँ ओन पइ राज। फुन तोहार दोहाई उ पचे दिहन अउर सरग मँ तू सुन्या ओनकर अउर मदद ओनकर किहा। तू केतना दयालु अहा! होत रहा अइसा ही अनेकन बार।

29तू चेताया ओनका! फुन स लउटि आवइ क तोहरे
बिधान मँ मुला उ पचे रहेन बहोत अभिमानी। उ पचे नकार
दिहन तोहरे आदेस क। जदि चलत ह कउनो मनई नेमन पइ
तोहरे तउ फुरइ जिएगा उ किन्तु हमरे पुरखन तउ तोड़े रहेन
तोहरे नेमन क उ पचे रहेन हठीले। मुँह फेर, पीठ दिहे रहेन
उ पचे तोहका। तोहार सुनइ स ही उ पचे रहेन मना किहे।
30तू रह्या बहोत सहनसील, संग हमरे पुरखन क, तू
ओनका करइ दिहा बर्त्ताव बुरा अपने संग बरिसन तलक।
सजग किहा तू ओनका अपनी आतिमा स। ओनका देइ
चितउनी पठए रह्या नबियन क तू। मुला हमरे पुरखन तउ
ओनकर सुनेन ही नाहीं। एह बरे तू रह्या दूसरे देसन क
लोगन क सौप दिहा ओनका।
31मुला तू केतना दयालु अहा। तू किहे रह्या नाहीं पूरी
तरह नस्ट ओनका। तू तज्या नाहीं ओनका रह्या। हे
परमेस्सर। तू अइसा दयालु अउर करूणापूर्ण अइसा अहा।
32हमार परमेस्सर महान परमेस्सर अहइ! तू एक अचरजमय
अउर सक्तीसाली सैनिक अहा जउन बिस्सास करइ जोग्ग
अहा। तू निज वाचा क निभावत ह अउर तू हमेसा दयालु
अहा। हमार सबहिं परेसानियन क जेका हम पचन्क झेलेस
ह साधारण जिन समुझा। साथ मँ हमरे राजा लोगन क
अउर मुखिया लोगन क साथ बहोत परेसानियन घटि रहेन।
याजकन क संग मँ हमरे अउर संग मँ नबियन क अउर
हमरे सबहिं लोगन क संग बातन बुरी घटी रहिन। अस्सूर
क राजा स लइके आजु तलक उ सबइ बातन भयानक घटी
रहिन।
33किन्तु हे परमेस्सर। जउन कछू भी घटब अहइ साथ
हमरे घटी ओनके बरे निआव पूर्ण तू रहा। तू तउ अच्छा ही
रहा, बुरे तउ हम ही रहे।
34हमरे राजा लोगन मुखियन, याजकन अउर पुरखन नाहीं
पालेन तोहरी सिच्छन क। उ पचे नाहीं दिहन कान तोहरे
आदेसन, तोहार चिताउनियन उ पचे सुनेन ही नाहीं।
35हिआँ तलक कि जब पुरखन हमरे अपने राज्ज मँ रहत
रहेन, उ पचे नाहीं सेवा किहन तोहार। तजेन उ पचे नाहीं
बुरे करमत क करब। जउन कछू भी उत्तिम वस्तु ओनका तू
दिहे रह्या, ओनकर रस उ पचे रहेन लेत। आनन्द उ धरती
क लेत रहेन जउन रही सम्पन्न बहोत। अउर जगह बहोत
स रही ओनके लगे। किन्तु उ पचे नाहीं छोडेन निज बुरी
राह।
36अउर अब हम बने दास अही; हम दास अही उ धरती
पइ, जेका तू दिहे रह्या हमरे पुरखन क। तू इ धरती रह्या
ओनका दिहे, कि भोगइँ उ पचे ओकर फल अउर आनन्द
लेइँ ओन सबहि चिजियन क जउन हिआँ उगत ही।
37इ धरती क फसल अहइ भरपूर मुला पाप किहा हम
तउ हमार उपज जात ह लगे ओन राजा लोगन क जेनका
तू बइठाया ह मूँड़े पइ हमरे। हम पइ अउर गोरुअन पइ
हमरे उ सबइ राजा राज करत ही उ पचे चाहत हीं जइसा
भी वइसा ही करत ही। हम अही बहोत कस्ट मँ।
38तउ, सोचिके एन सबहि बातन क बारे मँ हम करित ह
वाचा एक, जउन न बदला जाइ कबहुँ भी। अउर इ वाचा
क लिखतम हम लिखत अही अउर इ वाचा पइ अंकित
करित ह आपन नाउँ हाकिम हमरे, लेवी क संतान अउर उ
पचे करत ही हस्ताच्छर लगाइके ओह पइ मुहर।

10 मुहर लगी वाचा पइ निम्नलिखित नाउँ लिखे रहेन:
हकल्याह क पूत राज्जपाल नहेमायाह। सिदकिय्याह,
2सरायाह, अजर्याह, यिर्मयाह, 3पसहूर, अमर्याह, मल्किय्याह,
4हत्तूस, सबन्याह, मल्लूक, 5हारीम, मरेमोत, ओबद्याह,
6दानिय्येल, गिन्नतोन, बारूक, 7मसूल्लाम, अबिय्याह,
मिय्यामीन, 8माज्याह, बिलगै अउर समायाह। इ सबइ ओन
याजक क नाउँ अहइँ जउन मुहर लगी वाचा पइ आपन
नाउँ अंकित किहेन।
9इ सबइ ओन लेवीबंसियन क नाउँ अहइँ जउन मुहर
लगी वाचा पइ आपन नाउँ अंकित किहन: आजन्याह क
पूत येसू, हेनानाद क संतान बिन्नई अउर कदमिएल 10अउर
ओनके भाइयन क नाउँ इ सबइ रहेन: सबन्याह, होदियाह,
कलीता, पलायाह, हानान, 11मीका, रहोब, हसब्याह 12जक्कूर,
सेरेब्याह, सकन्याह, 13होदियाह, बानी अउर बनीन।
14इ सबइ नाउँ ओन मुखिया लोगन क अहइँ जउन उ
मुहर लगी वाचा पइ अपने नाउँ अंकित किहन: परोस,
पहत-मोआब, एलाम, जत्तू, बानी, 15बुन्नी, अजगाद, बेबै,
16अदोनिय्याह, बिग्वै, आदीन, 17आतेर, हिजकिय्याह, अज्जूर,
18होदियाह, हासूम, बेसै, 19हारीफ अनातोत, नोबै, 20मगपिआस,
मसूल्लाम, हेजीर 21मेसजबेल, सादोक, यद्दू, 22पलत्याह,
हानान, अनायाह, 23होसै, हनन्याह, हस्सूब, 24हल्लोहेस,
पिलहा, सोबेक, 25रहूम, हसब्ना, मासेयाह, 26अहियाह,
हानान, आनान, 27मल्लूक, हारीम अउर बाना।
28तउ अब इ सबइ सबहिं लोग जेनकर नाउँ ऊपर दीन्ह
गए अहइँ परमेस्सर क समन्वा इ बिसेस प्रतिग्या लेत हीं।
इ बचा भवा लोग भी प्रतिग्या किहेस ह: याजकन,
लेवीबंसी, दुआरपाल, गायक, यहोवा क भवन क सेवक,
अउर उ सबइ सबहिं लोग जउन आस-पास रहइवाले लोगन
स परमेस्सर क नेमन क पालन करइ बरे, अपने आप क
अलग कइ लिहे रहा। ओन लोगन क मेहररुअन, पूतन,
बिटियन अउर हर उ मनई जउन जान अउर समझ सकत ह
कि उ पचे का करत अहा।
29इ सबइ लोग जउन अपने भाई बंधुअन अउ अपने
मुखियन क संग इ प्रतिग्या क अपनावइ मँ सम्मिलित भएन
कि उ पचे परमेस्सर क सेवक मूसा क जरिये दीन्ह गए
बिधान क पालन करिही। उ पचे सहमत भएन कि जदि
आपन प्रतिग्या मँ असफल होइ तउ सराप पाइहीं। परमेस्सर
हमका आपन बिधान ओकर सेवक मूसा जरिये दिहेन। इ
सबइ लोग प्रतिग्या किहेन कि उ पचे सावधानी क संग
अपने यहोवा आपन परमेस्सर क आदेसन, नेमन अउर
अध्यादेसन क पालन करिही। उ पचे सुआमी ओकर
परमेस्सर क हुकुमन आदेसन अउर फइसलन क अनुसरण
करिहीं।
30“हम प्रतिग्या करित ह कि अपने आस-पास रहइवाले
लोगन क संग अपनी बिटियन क बियाह नाहीं करिहीं अउर
हम इ प्रतिग्या भी करित ह कि ओनकी बिटियन क संग
अपने बेटवन क नाहीं बियाहब।

31“हम इ प्रतिग्या करित ह कि सबित क दिन काम
नाही करब अउर जदि हमरे आस-पास रहइवाले लोग सबित
क दिन बेचइ क अनाज या दूसर चिजियन लिआउब तउ
बिस्राम क उ बिसेस दिन या कउनो भी दूसर बिसेस क
दिन, ओन चिजियन क नाहीं बेसहिही। हर सतएँ बरिस हम
न तउ आपन धरती क जोतब अउर न बोउब, अउ हर
सतएँ बरिस मँ हम दूसरे लोगन क कर्ज क माफ कइ देब।
32“परमेस्सर क भवन क धियान रखइ क बरे ओकरे
आदेसन पइ चलइ क जिम्मेदारी क हम ग्रहण करब। हम
हर बरिस एक तिहाई सेकेल हमरे परमेस्सर क सम्मान मँ
भवन क सेवा, उपासना क बढ़ावा देइ क बरे दिया करब।
33इ धन क उपयोग उ बिसेस रोटी बरे कीन्ह जाइ जेका
याजक मन्दिर क वेदी पइ अर्पित करत ह। इ धने क
उपयोग हर दिन क अन्नबलि अउ होमबलि बरे कीन्ह जाइ।
सबित नवे चाँद क त्यौहार अउर दूसरी सभन पइ इहइ धने
स खरचा होइ। ओन पवित्तर चढ़ावन अउ पाप बलियन बरे
भी इ धन क ही उपयोग कीन्ह जाई जेनसे इस्राएल क
लोग अभिसेक होइ। इ धन स ही हर उ काम क खरच
चली जउन हमरे परमेस्सर क मन्दिर क बरे जरूरी अहइ।
34“हम, यानी याजक, लेवीबंसी अउर लोग मिलिके इ
निहचित करइ बरे पासे लोकाएन कि हमरे हर परिवार क
हर बरिस एक निहचित समइ हमरे परमेस्सर क मन्दिर मँ
काठे क उपहार कब लिआउब अहइ। उ काठ जेका हमरे
परमेस्सर यहोवा क वेदी पइ बारा जात ह। हम क इ काम
क जरूर करइ चाही काहेकि इ हमार व्यवस्था क बिधान
मँ लिखा अहइ।
35“हम क अपने फलन क हर बृच्छ अउर अपनी
फसल क पहिले फलन क लिआवइ क जिम्मेदारी भी
ग्रहण करित ह। हर बरिस यहोवा क मन्दिर मँ हम उ
फसल क लिआइके अर्पित किया करब।
36“काहेकि ब्यवस्था क विधान मँ इ भी लिखा अहइ
एह बरे हम एका भी किया करब: हम अपने पहिलौटे पूत,
पहिलौटी गइया क बच्चन, भेड़िन अउर बोकरियन क
पहिले छौनन क लइके परमेस्सर क मन्दिर मँ आवा करब।
ओन याजकन क लगे हम एन सब क लइ जावा करब
जउन हुवाँ मन्दिर मँ सेवा आराधना करत हीं।
37“हम परमेस्सर क मन्दिर क भण्डार मँ याजकन क
लगे इ सबइ चिजियन भी लिआवा करब: पहिला गूंधा भवा
आटा, पहली अन्न बलियन, हमरे सबहिं बृच्छन क फल,
हमरी नई दाखरस अउर तेल क पहिला भाग। हम
लेवीबंसियन बरे अपनी उपज क दसवाँ हींसा भी दिया करब
काहेकि हर एक नगर मँ जहाँ हम काम करित ह, लेवीबंसी
हम स इ सबइ चिजियन लिया करत हीं।
38“लेवीबंसी जब उपज क इ भाग एकट्ठा करइँ तउ
हारून क परिवार क एक याजक ओनके संग जरुर होइ
चाही, अउर फुन एन सबइ चिजियन क दसवे हींसे क हुवाँ
स लइके लेवीबंसियन क चाही कि उ पचे ओनका हमरे
परमेस्सर क मन्दिर मँ लइ आवइँ अउर ओनका मन्दिर क
खजाने क कोठियारन मँ धइ देइँ। 39इस्राएल क लोग अउर
लेवीबंसियन क चाही कि उ पचे अपने उपहारन क
कोठियारन मँ लइ आवइँ। उपहार क अन्न, नई दाखरस
अउर तेल क ओनका हुवाँ लइ आवइ चाही। मन्दिर मँ
काम आवइवाली सबहिं चिजियन ओन कोठियारन मँ रखी
जात ही अउर अपने कार्य पइ नियुक्त याजक, गायक अउर
दुआरपालन क कमरन भी उहइ रहेन।
“हम सबहिं प्रतिग्या करित ह कि हम अपने परमेस्सर क
मन्दिर क देख रेख किया करब।”

यरूसलेम मँ नवे लोगन क प्रवेस

11 लखा अब इस्राएल क लोगन क मुखिया यरूसलेम
मँ बस गाएन। इस्राएल क दूसरे लोगन क इ
निहचित करब रहा कि नगर मँ अउर कउन लोग बसिहीं।
एह बरे उ पचे पासे लोकाएन जेकरे मुताबिक हर दस
मनइयन मँ स एक क यरूसलेम क पवित्तर नगर मँ रहब
रहा अउर दुसर नौ मनइयन क अपने-अपने मूल नगरन मँ
बसब रहा। 2यरूसलेम मँ रहइ क बरे कछू लोग खुद अपने
आप क प्रस्तुत किहन। अपने आप क खुद प्रस्तुत करइ क
बरे दूसर मनइयन ओनका धन्नवाद देत भए आसीर्बाद दिहन।
3इ सबइ प्रांतन क उ सबइ मुखिया अहइँ जउन
यरूसलेम मँ बस गाएन। (कछू इस्राएल क निवासी कछू
याजक लेवीबंसी मन्दिर क सेवक अउर सुलैमान क ओन
सेवकन क संतान अलग-अलग नगरन मँ अपनी निजी
धरती पइ यहूदा मँ रहा करत रहेन, 4अउर यहूदा अउर
बिन्यामीन क परिवारन क दूसर लोग यरूसलेम मँ ही रहत
रहे रहेन।)
यहूदा क उ सबइ संतानन जउन यरूसलेम मँ बस गाए
रहेन, उ सबइ इ सब अहइँ: अतायाह। (अतायाह उज्जियाह
क पूत रहा। उज्जिया जकर्याह क पूत रहा। जकर्याह अमर्याह
क पूत रहा अउर अमर्याह सपत्याह क पूत रहा। सपत्याह
महललेल क पूत रहा अउर महललेल पेरेस क संतान
रहा।) 5मासेयाह बारूक क पूत रहा (अउर बारूक कोल-होजे
क पूत रहा। कोल-होजे हजायाह क पूत रहा। हजायाह
अदायाह क पूत रहा। अदायाह योयारीब क पूत रहा।
योयारीब जकर्याह क पूत रहा। जकर्याह सिलोई क संतान
रहा।) 6पेरेस क संतान यरूसलेम मँ रहत रहिन, ओनकर
गनती रही चार सौ अडसठ। उ पचे सबहिं लोग सूरवीर
रहेन।
7बिन्यामीन क जउन संतान यरूसलेम मँ आइन उ सबइ
इ सब रहिन: सल्लू। (सल्लू मसुल्लाम क पूत रहा।
मसूल्लाम योएद क पूत रहा। योएद पदायाह क पूत रहा
अउर पदायाह कोलायाह क पूत रहा। कोलायाह मासेयाह क
पूत रहा, मासेयाह इतीएह क पूत रहा अउर इतीएह यसायाह
क पूत रहा।) 8जउन लोग यसायाह क अनुसरण किहन उ
पचे रहेन गब्बै अउर सल्लै। एनके संग नौ सौ अट्ठाईस
मनसेधू रहेन। 9जिक्री क पूत योएल एनकर प्रधान रहा अउर
हस्सनूआ क पूत यहूदा नगर क दूसर प्रधान रहा।
10यरूसलेम मँ जउन याजक बस गाएन, उ सबइ अहइँ;
योयारीब क पूत यदायाह अउ याकीन, 11अउर सरायाह
हिलकियाह क पूत रहा। हिल्कियाह मसुल्लाम क पूत रहा।
मसुल्लाम सादोक क पूत रहा। सादोक मरायोत क पूत रहा।

मरायोत अहीतूब क पूत रहा। अहीतूब परमेस्सर क भवन क
देखरेख करइ वाला रहा।
12ओनके भाइयन क आठ सौ बाइस मनसेधू जउन मन्दिर
क बरे काम किहे रहेन अउर यरोहाम क पूत अदायाह।
यरोहाम पलल्याह क पूत रहा। पलल्याह अम्सी क पूत रहा।
अम्सी जकर्याह क पूत रहा। जकर्याह पसहूर क पूत रहा।
पसहूर मल्किय्याह क पूत रहा। 13मलकियाह क भाइयन क
संख्या दुई सौ बियालीस रही। इ सबइ लोग अपने-अपने
परिवारन क मुखिया रहेन। अमसै अजरेल क पूत रहा।
अजरेल अहजै क पूत रहा। अहजै मसिल्लेमोत क पूत रहा।
मसिल्लेमोत इम्मेर क पूत रहा), 14अमसै अउर ओकर
साथी वीर जोधा रहेन। उ पचे गनती मँ एक सौ चौबीस
रहेन। हग्गदोलीन क पूत जब्दिएल ओनकर अधिकारी हुआ
करत रहा।
15इ सबइ उ सब लेवीबंसी अहइँ, जउन यरूसलेम मँ
जाइ बसे रहेन: समायाह हस्सूब क पूत रहा। हस्सूब
अज्रीकाम क पूत रहा। अज्रीकाम हुसब्याह क पूत रहा।
हुसब्याह बुन्नी क पूत रहा। 16सब्बत अउर योजाबाद (इ
सबइ दुइ मनई लेवीबंसियन क मुखिया रहेन। उ पचे
परमेस्सर क मन्दिर क बाहरी कामन देखरेख करइवालन
रहेन।)
17मत्तन्याह, (मत्तन्याह मीका क पूत रहा, अउर मीका
जब्दी क पूत रहा, अउ जब्दी आसाप क पूत रहा। आसाप
स्तुति गीत अउर पराथनन क गायन मँ लोगन क धन्यवाद
देइवालन क अगुवाई किया करत रहा।) बकबुकियाह अपने
भाइयन क ऊपर दूसरे दर्जे क अधीकारी रहा।) अउर अब्दा
सम्मू क पूत रहा। (सम्मू गालाल क पूत रहा। गालाल
यदूतून क पूत रहा।) 18इ तरह दुइ सौ चौरासी लेवीबंसी
यरूसलेम क पवित्तर नगर मँ जाइ बसे रहेन।
19जउन दुआरपाल यरूसलेम चले गए रहेन, ओनकर
नाउँ इ सबइ रहेन: अक्कूब, तलमोन, अउर ओनकर साथी।
इ सबइ लोग नगर दुआरन पइ नजर रखत भए ओनकर
रखवारी किया करत रहेन। इ सबइ गनती मँ एक सौ बहत्तर
रहेन।
20इस्राएल क दूसर लोग, दूसर याजक अउर लेवीबंसी
यहूदा क सबहिं नगरन मँ रहइ लागेन। हर कउनो मनई उ
धरती पइ रहा करत रहा जउन ओनकर पुरखन क रही।
21मन्दिर मँ सेवकन ओपेल क पहाड़ी पइ बस गएन। सीहा
अउ गिस्पा मन्दिर क ओन सेवकन क निगराँ कार रहेन।
22यरूसलेम मँ लेवीबंसियन क ऊपर उज्जी क अधिकारी
बनावा गवा। उज्जी बानी क पूत रहा। (बानी, मीका क
पड़पोता, मत्तन्याह क पोता, अउर हसब्याह क पूत रहा।)
उज्जी आसाप क संतान रहा। आसाप क संतान उ सबइ
गायक रहेन जउने पइ परमेस्सर क मन्दिर क सेवा क भार
रहा। 23 इ सबइ गायक राजा क आग्यन क पालन किया
करत रहेन। राजा क आग्यन एन गायकर क बतावत रहिन
कि ओनका हर रोज का करब अहइ। 24मसेजबेल क पूत
पतहियाह, लोगन स सम्बन्धित मामलन क बिसय मँ राजा
क प्रतिनिधि रहा। मसेजबेल जेरह क पूत रहा। जेरह यहूदा
क पूत रहा।)
25यहूदा क लोग एन कस्बन मँ बस गएन: किर्यतर्बा
अउर ओकरे आस-पास क नान्ह-नान्ह गाँव, दिबोन अउर
ओकरे आस-पास क नान्ह-नान्ह गाँव यकब्सेल अउर
ओकरे आस-पास क नान्ह-नान्ह गाँव 26अउर येसू, मोलादा,
बेतपेलेत, 27हसर्यूयाल बेरसेबा अउर ओकरे आस-पास क
नान्ह गाँव 28अउर सिकलग, मकोना अउर ओकरे आस-पास
क नान्ह गाँव। 29एन्निम्मोन, सोरा, यर्मूत, 30जानोह अउर
यदुल्लाम अउ ओकरे आस-पास क नान्ह-नान्ह गाँव।
लाकीस अउर ओकरे आस-पास क खेतन, अजेका अउर
ओकरे आस-पास क नान्ह-नान्ह गाँव। इ तरह बरसेवा स
लइके हिन्नौम क तराई तलक क इलाके मँ यहूदा क लोग
रहइ लागेन।
31जउने जगहन मँ बिन्यामीन क संतान रहइ लागे रहेन,
उ सबइ इ सब रहिन: गेबा मिकमस, अय्या, बेतेल अउर
ओकरे आस-पास क नान्ह-नान्ह गाँव, 32अनातोत, नोब,
अनन्याह 33हासोर रामा, गित्तैम, 34हादीद, सबोईम, नबल्लत,
35लोद, ओनो अउर कारीगरन क तराई। 36लेवीबंसियन क
कछू समुदाय जउन यहूदा मँ रहा करत रहेन बिन्यामीन क
धरती पइ बस गए रहेन।

याजक अउर लेवीबंसी

12 जउन याजक अउर लेवीबंसी यहूदा क धरती पइ
लउटिके वापस आए रहेन, उ सबइ इ सब रहेन।
उ सबइ सालतीएल क पूत जरूब्बाबेल अउ येसू क संग
लउटे रहेन, ओनके नाउँन क सूची इ अहइः सरायाह,
यिर्मयाह, एज्रा, 2अमर्याह, मल्लूक, हत्तूस, 3सकन्याह, रहूम,
मरेमोत, 4इद्दो, गिन्तोई, अबियाह, 5मिन्यामीन, माद्याह,
बिल्गा, 6समायाह, योआरीब, यदायाह, 7सल्लू, आमोक,
हिल्किय्याह अउर यदायाह। इ सबइ लोग याजकन अउर
ओनके सम्बन्धियन क मुखिया रहेन। येसू क दिनन मँ इ
सबइ ही ओनके मुखिया हुआ करत रहेन।
8लेवीबंसी लोग इ सबइ रहेन: येसू, बिन्नूई, कदमिएल,
सेरेब्याह, यहूदा अउर मत्तन्याह भी। मत्तन्याह क सम्बन्धियन
समेत इ सबइ लोग परमेस्सर क धन्यवाद गीतन क
अधिकारी रहेन। 9बकबुकियाह अउ उन्नो एन लेवीबंसियन
क सम्बन्धी रहेन। इ दुइनउँ आराधना सेवा क अवसरन पइ
ओनके समन्वा खड़े रहा करत रहेन। 10येसू योयाकीम क
बाप रहा अउर योयाकीम एल्यासीब क बाप रहा अउर
एल्यासीब योयादा क बाप रहा। 11योयादा योनातान क बाप
रहा। योनातान यहूदा बाप रहा।
12योयाकीम क दिनन मँ इ सबइ मनसेधू याजकन क
परिवारन क मुखिया हुआ करत रहेन:

सरायाह क घराने क मुखिया मरायाह रहा
यिर्मयाह क घराने क मुखिया हनन्याह रहा।
13मस्सूलाम एज्रा क घराने क मुखिया रहा
अर्मयाह क घराने क मुखिया रहा यहोहानान।
14योनातान मल्लूक क घराने क मुखिया रहा
योसेप सबन्याह क घराने क मुखिया रहा।
15अदना हारीम क घराने क मुखिया रहा।
हेलैक मेरेमोत क घराने क मुखिया रहा।

16जकर्याह इद्दो क घराने क मुखिया रहा।
मसुल्लाम गिन्नतोन क घराने क मुखिया रहा।
17जिक्री अबियाह क घराने क मुखिया रहा।
पिलतै मिन्यामीन अउर मोअद्याह क घराने
क मुखिया रहा।
18सम्मू बिल्गा क घराने क मुखिया रहा।
यहोनातान सामायह क घराने क मुखिया रहा।
19मतैन योयारीब क घराने क मुखिया रहा।
उजी, यदायाह क घराने क मुखिया रहा।
20कल्लै सल्लै क घराने क मुखिया रहा।
एबेर आमोक क घराने क मुखिया रहा।
21हसब्याह हिल्किय्याह क घराने क मुखिया रहा।
अउर नतनेल यदायाह क घराने क मुखिया रहा।

22फारस क राजा दारा क सासन काल मँ लेवी परिवारन
क मुखिया लोगन अउर याजक घरानन क मुखिया लोगन
क नाउँ एल्यासीब, योयादा, योहानान अउ यहूदा क दिनन मँ
लिखे गएन। 23लेवी परिवार क संतानन क बीच जउन
परिवार क मुखिया रहेन, ओनकर नाउँ एल्यासीब क पूत
योहानान तलक इतिहास क पुस्तक मँ लिखे गएन।
24लेवियन क मुखिया लोगन क नाउँ इ सबइँ अहइँ:
हसब्याह, सेरेब्याह, कदमिएल क पूत येसू ओकर भाईयन।
ओनके भाईयन स्तुतिगान अउ धन्यवाद-गीत क वास्ते
ओनके समन्वा खड़ा रहत रहेन। उ पचे आमने-सामने इ
तरह खड़े होत रहेन कि एक गायक समूह दूसरे गायक
समूह क जवाब मँ गीत गावत रहा। परमेस्सर क भक्त
दाऊद क अइसी ही आग्या रही।
25जउन दुआरपाल दुआरन क लगे क कोठियारन पइ
पहरा देत रहेन, उ पचे इ सब रहेन: मत्तन्याह, बकबुकियाह,
ओबाद्याह, मसुल्लाम, तलमोन अउर अक्ककूब। 26इ सबइ
दुआरपालक येसू क पूत योयाकीम क दिनन मँ सेवा कार्य
किया करत रहेन। येसू जउन कि योसादाक क पूत रहा। एन
दुआरपालन ही राज्पाल नहेमायाह अउर याजक अउ विद्वान
एज्रा क दिनन मँ सेवा कार्य किहे रहेन।

यरूसलेम क देवार क समर्पित किया जाब

27लोग यरूसलेम क देवार क समर्पित किहन। उ पचे
सबहिं लेवीबंसियन क बोलाएन। तउ लेवी जउने नगर मँ
रहत रहेन, हुवाँ स उ पचे आएन। यरूसलेम क देवार क
समर्पण क मनावइ क बरे उ पचे यरूसलेम आएन।
परमेस्सर क धन्नवाद देइ अउ स्तुतिगीत गावइ क बरे
लेवीबंसी हुवाँ आएन उ पचे आपन झाँझ, सारंगी अउर
वीणन बजाएन।
28दूसर सबइ गायकन भी यरूसलेम आएन। उ पचे
गायक यरूसलेम क आसपास क नगरन स आए रहेन। उ
पचे नतोपतियन क गाँवन स, 29बेत-गिलगाल, गेबा अउर
अजमाबेत क नगरन स आए रहेन। गायकन, यरूसलेम क
इर्द-गिर्द नान्ह-नान्ह बस्तियन बनाइ रखी रहिन।
30इ तरह याजकन अउ लेवियन एक समारोह क जरिये
अपने अपने क सुद्ध किहन। फुन एक सभारोह क जरिये उ
पचे लोगन, दुआरन अउर यरूसलेम क देवार क भी सुद्ध
किहन।
31फुन मइँ यहूदा क मुखिया लोगन स कहेउँ कि उ पचे
ऊपर जाइके देवार क सिखर पइ खड़े होइ जाइँ। मइँ
परमेस्सर क धन्नवाद देइ क बरे दुइ बडकी गायक
मण्डलियन क चुनाव भी किहेउँ। एनमाँ स एक गायक
मण्डली क कुरडी दुआर कइँती दाहिनी तरफ देवार क
सिखर पइ जाब सुरू रहा। 32होसायाह अउर यहूदा क आधे
मुखिया ओन गायकन क पाछे होइ लिहन। 33अजर्याह, एज्रा
मसुल्लाम, 34यहूदा बिन्यामीन, समायाह, अउर यिर्मयाह भी
ओनके पाछे होइ लिहे रहेन। 35तुरही बरे कछू याजक भी
देवार पइ ओनकर अनुसरण करत भए गएन। जकर्याह भी
ओनके पाछे पाछे रहा। जकर्याह योहानान क पूत रहा।
योहानान समायाह क पूत रहा। समायाह मत्तन्याह क पूत
रहा। मत्तन्याह मीकायाह क पूत रहा। मीकायाह जक्कूर क
पूत रहा। जक्कूर आसाप क पूत रहा।) 36हुवाँ जकरिया क
भाई समायाह, अजरेल, मिल्लै, गिल्लै, माऐ, नतनेल, यहूदा
अउर हनानी भी मौजूद रहेन। ओनके लगे परमेस्सर क
मनसेधू, दाऊद क बनाए भए बाजन रहेन। देवार क समर्पित
करइ क बरे जउन लोग हुवाँ रहेन, ओनके समूह क
अगुवाई, विद्वान एज्रा किहस। 37अउर उ पचे स्रोत दुआर
पइ चले गएन। फुन उ पचे सामने क सीढ़ियन स होत भए
दाऊद क नगर पैदल ही गएन। फुन उ पचे नगर देवार क
सिखर पइ जाइ पहोचेन अउर इ तरह दाऊद क घर पइ स
होत भए उ पचे पूर्वी जल दुआर पइ पहोंच गएन।
38गायकन क दूसर मण्डली बाई कइँती दूसर दिसा मँ
चल पड़ी। उ पचे जब देवार क सिखर कइँती जात रहेन,
मइँ ओनके पाछे होइ लिहेउँ। आधे लोग भी ओनके पाछे
होइ लिहन। भट्ठन क मीनारन क पाछे छोड़त भए उ पचे
चौड़े देवार पइ चले गएन। 39एकरे पाछे उ पचे एन
दुआरन पइ गएन एप्रैम दुआर, पुरान दरवाजा अउर मछरी
फाटक अउर फुन उ पचे हननेल अउ हम्मेआ क बुर्जन
पइ गएन। उ पचे भेड दुआर तलक जाइ पहोचेन अउर
पहरेदारन क दुआर पइ जाइके रुक गएन। 40फुन गायकन
क उ सबइ दुइनउँ मण्डलियन परमेस्सर क मन्दिर मँ
अपने-अपने जगहन क चली गइन अउर मइँ अपने जगह
पइ खड़ा होइ गवा अउ आधे हाकिम मन्दिर मँ अपने
अपने जगहन पइ जा खड़े भएन। 41फुन एकरे पाछे
अपने-अपने जगहन पइ जउन याजक जाइ खड़े भए रहेन,
ओनकर नाउँ अहइँ एल्याकीम, मासेयाह, मिन्यामीन, मीकायाह,
एल्योएनै, जकर्याह अउर हनन्याह। ओन याजकन अपनी
अपनी तुर्रहियन लइ रखे रहेन। 42एकरे पाछे इ सबइ याजक
मन्दिर मँ अपने-अपने जगहन पइ आइ खड़े भएन: मासेयाह,
समायाह, एलियाजर, उज्जी, यहोहानाम, मल्कियाह, एलाम
अउ एजेर।
फुन दुइनउँ, गायक मण्डलियन यिज्रहियाह क अगुवाई मँ
गाना सुरू किहन। 43तउ उ बिसेस दिन, याजकन बहोत स
बलियन चढ़ाएन। हर कउनो बहोत खुस रहा। परमेस्सर हर
कउनो क आनंदित किहे रहा। हिआँ तलक कि मेहररूअन
अउर बच्चन तलक बहोत उल्लास मँ भरे अउ खुस रहेन।

दूर दराज क लोग भी यरूसलेम स आवत भए आनन्दपूर्ण
सोर क सुन सकत रहेन।
44उ दिन मुखिया लोग कोठियारन क अधिकारियन क
नियुक्ति किहन। इ सबइ कोठियार ओन उपहार क रखइ क
बरे रहेन जेनका लोग अपने पहिले फलन अउर अपनी
फसल अउर आय क दसवें हीसे क रूप मँ लिआवा करत
रहेन। ब्यवस्था क विधान क अनुसार लोगन क नगर क
चारिहुँ ओर क खेतन अउ बगीचन स उपज क एक हीसा,
याजकन अउ लेवियन बरे लिआवइ चाही। यहूदा क लोग
जउन याजक अउ लेवी सेवा कार्य करत रहेन ओनके बरे
अइसा करइ मँ खुसी क अनुभव करत रहेन। 45याजकन
अउ लेवियन अपने परमेस्सर बरे अपना कर्त्तव्य पालन किहे
रहेन। उ पचे उ सबइ समारोह किहे रहेन जेनसे लोग पवित्तर
भएन। गायकरन अउर दुआरपालन भी अपने हीसे क काम
किहन। दाऊद अउर ओकर पूत सुलैमान जउन भी आग्यन
दिहे रहा, उ पचे सब कछू वइसा ही किहे रहेन। 46(बहोत
दिनन पहिले दाऊद अउर आसाप क दिनन मँ उ धन्नवाद क
गीतन अउर परमेस्सर क स्तुतियन अउ गायकन क मुखिया
हुवा करत रहेन।)
47तउ जरूब्बबेल अउ नहेमायाह क दिनन मँ गायकन
अउर दुआरपालन क रखरखाव बरे इस्राएल क सबहिं लोग
हर रोज दान दिया करत रहेन। दूसरे लेवियन क बरे भी उ
पचे बिसेस दान दिया करत रहेन अउर फुन लेवी ओहमाँ स
हारून क संतानन अउ याजकन क बरे बिसेस योगदान दिया
करत रहेन।

नहेमायाह क अन्तिम आदेस

13 उ दिन मूसा क किताब क ऊँचे सुर मँ पाठ
कीन्ह गवा ताकि सबहिं लोग ओका सुन सकइँ।
मूसा क किताब मँ ओनका इ नेम लिखा भवा मिला कउनो
भी अम्मोनी मनई क अउर कउनो भी मोआबी मनई क
परमेस्सर क सभन मँ सामिल न होइ दीन्ह जाइ। 2इ नेम
एह बरे लिखा गवा रहा कि उ पचे इस्राएल क लोगन क
भोजन या जल नाहीं दिया करत रहेन, अउ उ पचे इस्राएल
क लोगन क सराप देइ क बरे बालाम क धन दिया करत
रहेन। मुला हमार परमेस्सर उ सराप क हमरे बरे वरदान मँ
बदल दिहस। 3तउ इस्राएल क लोग इ नेम क सुनिके एकर
पालन किहन अउर पराए लोगन क संतानन क इस्राएल स
अलग कइ दिहन।
4किन्तु अइसा होइ स पहिले एल्यासीब तोबियाह क
मन्दिर मँ एक ठु बड़की कोठरी दइ दिहस। एल्यासीब
परमेस्सर क मन्दिर क भण्डार घरन क अधिकारी याजक
रहा। अउर एल्यासीब तोबियाह क घनिस्ठ मीत भी रहा।
5पहिले उ कोठरी क प्रयोग भेट मँ चढ़ाए गए अन्न,
सुगन्ध अउर मन्दिर क बर्तनन अउर दूसर चिजियन क रखइ
क बरे कीन्ह जात रहा। उ कोठरी मँ गायकन लेवियन
अउर दुआरपालन क बरे अन्न क दसवाँ हीसा, नई दाखरस
अउर तेल भी रखा भवा रहेन। याजकन क दीन्ह गए
उपहार भी उ कोठरी मँ रखे जात रहेन। किन्तु एल्यासीब उ
कोठरी क तोबियाह क दइ दिहे रहा।
6जउने समइ इ सब कछू भवा रहा, उ समइ मइँ
यरूसलेम मँ नाहीं रहा। मइँ बाबेल क राजा क लगे वापस
गवा भवा रहा। जब बाबेल क राजा अर्तछत्र क सासन क
बत्तीसवाँ साल रहा, तब मइँ बाबेल गवा रहेउँ। पाछे मइँ
राजा स यरूसलेम वापस लउट जाइ क अनुमति माँगेउँ
7अउर इहइ तरह मइँ यरूसलेम लउट आएउँ। एल्यासीब क
इ बुरा काम क बारे मँ मइँ सुनेउँ कि एल्यासीब हमरे
परमेस्सर क मन्दिर क दालान क एक कोठरी तोबियाह क
दइ दिहस। 8एल्यासीब जउन किहे रहा, ओहसे मइँ बहोत
कोहान रहेउँ। तउ मइँ तोबियाह क चिजियन उ कोठरी स
बाहेर निकारि लोकाएउँ। 9ओन कोठरियन क स्वच्छ अउर
पवित्तर बनावइ क बरे मइँ आदेस दिहेउँ अउर फुन ओन
कोठरियन मँ मइँ मन्दिर क भाँडी अउर दूसर चिजियन भेट
मँ चढावा भवा अन्न अउ सुगन्धित द्रब्य फुन स रखवाइ
दिहेउँ।
10मइँ इ भी सुनेउँ कि लोग लेवियन क ओनकर हीसा
नाहीं दिहन ह जेहसे लेवीबंसी अउर गायक अपने खेतन मँ
काम करइ बरे वापस चले गएन ह। 11तउ मइँ ओन
अधिकारियन स कहेउँ कि उ पचे गलत अहइँ। मइँ ओन स
पूछेउँ, “तू पचे परमेस्सर क मन्दिर क देखभाल काहे नाहीं
किहा?” मइँ सबहिं लेवीबंसियन क बटोरेउँ अउर मन्दिर मँ
ओनकी जगहन अउ ओनके कामन पइ वापस लउट आवइ
क कहेउँ। 12एकरे पाछे यहूदा क हर कउनो मनई ओनके
दसवे हीसे क अन्न, नई दाखरस अउर तेल मन्दिर मँ
लिआवइ लगा। ओन चिजियन क भण्डार गृहन मँ रख
दीन्ह जात रहा।
13मइँ एन मनइयन क भण्डार ग्रहन क देखरेख करइवाला
नियुक्त किहेउँ: याजक सेलेम्याह, विद्वान सादोक अउ
पादायाह नाउँ क एक लेवी साथ ही मइँ पत्तन्याह क पोतन
अउर जक्कूर क पूत हानान क ओनकर सहायक नियुक्त
कइ दिहेउँ। जक्कूर मत्तन्याह क पूत रहा। मइँ जानत रहेउँ
कि ओन मनइयन पइ बिस्सास कीन्ह जाइ सकत रहा। ओन
लोगन क कार्य आपन नातेदारन मँ खावइ अउर पीवइ क
सामान बाँटइ क रहा।
14हे परमेस्सर, मोरे कीन्ह गए कामन क तू मोका याद
राखा अउर अपने परमेस्सर क मन्दिर अउर ओकरे सेवा
कार्यन क बरे बिस्सास क संग जउन कछू मइँ किहेउँ ह,
उ सब कछू क तू जिन बिसराया।
15ओनही दिनन यहूदा मँ मइँ लखेउँ कि लोग सबित क
दिन भी काम करत ही। मइँ लखेउँ कि लोग दाखरस
बनावइ क बरे रस निकारत अहइँ। मइँ लोगन क अनाज
लिआवत अउर ओका गदहन पइ लादत लखेउँ। मइँ लोगन
क नगर मँ अंगूर, अंजीर अउ हर तरह क चिजियन लइके
आवत भए लखेउँ। उ पचे एन सबहिं चिजियन क सबित क
दिन यरूसलेम मँ लिआवत रहेन। तउ एकरे बरे मइँ ओनका
चितउनी दिहेउँ। मइँ ओनसे कहि दिहेउँ कि ओनका सबित
क दिन खाइ क चिजियन कबहुँ भी नाहीं बेचइ चाही।
16यरूसलेम मँ कछू सीरी नगर क लोग भी रहा करत
रहेन। उ सबइ लोग मछरी अउर दूसर तरह क दूसर
चिजियन यरूसलेम मँ लिआवा करतेन अउर ओनका सबित

क दिन बेचा करतेन अउर यहूदी ओन चिजियन क बेसहा
करत रहेन। 17मइँ यहूदा क महत्वपूर्ण लोगन स कहेउँ कि
उ पचे ठीक नाहीं करत अहइँ। ओन महत्वपूर्ण लोगन स
मइँ कहेउँ, "तू पचे इ बहोत बुरा काम करत अहा। तू पचे
सबित क दिन भ्रस्ट करत अहा। तू पचे सबित क दिन क
एक आम दिन जइसा बनाए डारत अहा। 18तू पचन्क इ
गियान अहइ कि तोहरे पचन्क पुरखन अइसे ही काम
किहेन। एह बरे हमरे परमेस्सर हम पइ अउर हमरे नगर पइ
बिपत्तियन पठए रहेन अउर बिनास ढाए रहेन। अब तू लोग
वइसा ही काम अउर भी जियादा करत अहा, जेहसे इस्राएल
पइ वइसी ही बुरी बातन अउर जियादा घटिही काहेकि तू
सबित क दिन क बर्बाद करत अहा अउर एका अइसा
बनाए डारत अहा जइसे इ कउनो महत्त्वपूर्ण दिन ही नाहीं
अहइ।"

19तउ हर सुक्रवार क साम क साँझ होइ स पहिले ही
मइँ इ किहेउँ कि दुआरपालन क आग्या दइके यरूसलेम क
दुआर बंद करवाइके ओन पइ ताले डरवाइ दिहेउँ। मइँ इ
भी आग्या दइ दिहेउँ कि जब तलक सबित क दिन पूरा न
होइ जाइ दुआर न खोले जाइँ। कछू अपने ही लोग मइँ
दुआरन पइ नियुक्त कइ दिहेउँ। ओन लोगन क इ आदेस
दइ दीन्ह गवा रहा कि सबित क दिन यरूसलेम मँ कउनो
भी माल असबाब न आवइ पावइ एका उ पचे सुनिहचित
कइ लेइँ।

20एक आध दाई बइपारियन अउ सौदागरन क यरूसलेम
स बाहेर ही रात गुजारइ पडी।

21किन्तु मइँ ओन बइपारियन अउ सौदागरन क चितउनी
दइ दिहेउँ। मइँ ओनसे कहेउँ, "देवार क देवार क आगे न
ठहरा करा अउर जदि तू पचे फुन अइसा करब्या तउ मइँ
तू पचन्क बंदी बनाइ लेब।" तउ उ दिन क पाछे स सबित
क दिन अपना सामान बेचइ बरे उ पचे फुन कबहुँ नाहीं
आएन।

22फुन मइँ लेवीबंसियन क आदेस दिहेउँ कि उ पचे खुद
क पवित्तर करइँ। अइसा कर चुकइ क पाछे ही ओनका
दुआरन क पहरे पइ जाब रहा। इ एह बरे कीन्ह गवा कि
सबित क दिन क एक पवित्तर दिन क रूप मँ रखा गवा ह,
एका सुनिहचित कइ लीन्ह जाइ।

हे परमेस्सर! एन कामन क करइ क बरे तू मोका याद
राखा। मोरे बरे दयालु हवा अउर मोह पइ अपना महान
पिरेम परगट करा।

23ओनही दिनन मइँ इ भी लखेउँ कि कछू यहूदी
मनसेधूअन आसदोद, अम्मोन अउर मोआब पहँटन क
मेहररूअन स बियाह किहे भएन ह, 24अउर ओन बियाहन
स पइदा भए आधे बच्चेन तउ यहूदी भाखा क बोलब
तलक नाहीं जानत ही। उ पचे बच्चन अस्दौद, अम्मोन
अउर मोआब क बोली बोलत रहेन। 25तउ मइँ ओन लोगन
स कहेउँ कि उ पचे गलती पइ अहइँ। ओन पइ परमेस्सर
क कहर बरपा होइ। कछू लोगन पइ तउ मइँ चोट ही कर
बइठेउँ अउर मइँ ओनके बार उखाड लिहेउँ। परमेस्सर क
नाउँ पइ एक प्रतिग्या करइ क बरे मइँ ओन पइ दबाव
डाएउँ। मइँ ओनसे कहेउँ, "ओन पराए लोगन क पूतन क
संग तू पचन्क अपनी बिटियन क बियाह नाहीं करब अहइ
अउर ओन पराए लोगन क बिटियन क भी अपने पूतन स
बियाह नाहीं करइ देब अहइ। ओन लोगन क बिटियन क
संग तू पचन्क बियाह नाहीं करब अहइ। 26तू पचे जानत ह
कि सुलैमान स इहइ तरह क बियाहन पाप करवाए रहेन। तू
पचे जानत ह कि कउनो भी रास्ट्र मँ सुलैमान जइसा महान
कउनो राजा नाहीं भवा। किन्तु परमेस्सर सुलैमान स पिरेम
करत रहा अउर ओका सुलैमान क समूचे इस्राएल क राजा
बनाए रहा। किन्तु एँतना होइ पर भी बिजातीय मेहररूअन क
कारण सुलैमान तलक क पाप करइ पड़ेन।

27अउर अब का, हम तोहार पचन्क सुनी अउर वइसा ही
भयानक पाप करी अउ बिजाति औरतन क संग बियाह
कइके अपने परमेस्सर क बरे सच्चे नाहीं रही।"

28योयादा क एक पूत होरोन क सम्बल्लत क दामाद
रहा। योयादा महायाजक एल्यासीब क पूत रहा। तउ मइँ
योयादा क उ पूत पइ दबाव डाएउँ कि उ मोरे पास स पराइ
जाइ। 29हे मोरे परमेस्सर! ओनका याद राखा काहेकि उ पचे
याजकपन क भ्रस्ट किहे रहेन। उ पचे याजकपन क अइसा
बनाइ दिहे रहेन जइसे ओनकर कउनो महत्त्व न होइ। तू
याजकन अउ लेवियन क संग जउन वाचा किहे रह्या, उ
पचे ओकर पालन नाहीं किहन।

30तउ मइँ हर कउनो बाहरी चीज क याजकन अउर
लेवियन क पवित्तर अउ स्वच्छ बनाइ दिहेउँ ह अउर मइँ हर
एक मनसेधू क ओकरे अपने कर्त्तव्य अउ दायित्व भी सौपेउँ
ह। 31मइँ काठे क उपहारन अउर एक निहचित समइ पइ
अपने फलन क लिआवइ सम्बन्धी जोजनन भी बनाइ दिहेउँ
ह। हे मोरे परमेस्सर! एन नीक करमन बरे तू मोका याद
राखा।